शब्दसंसार

संज्ञा भाग 2

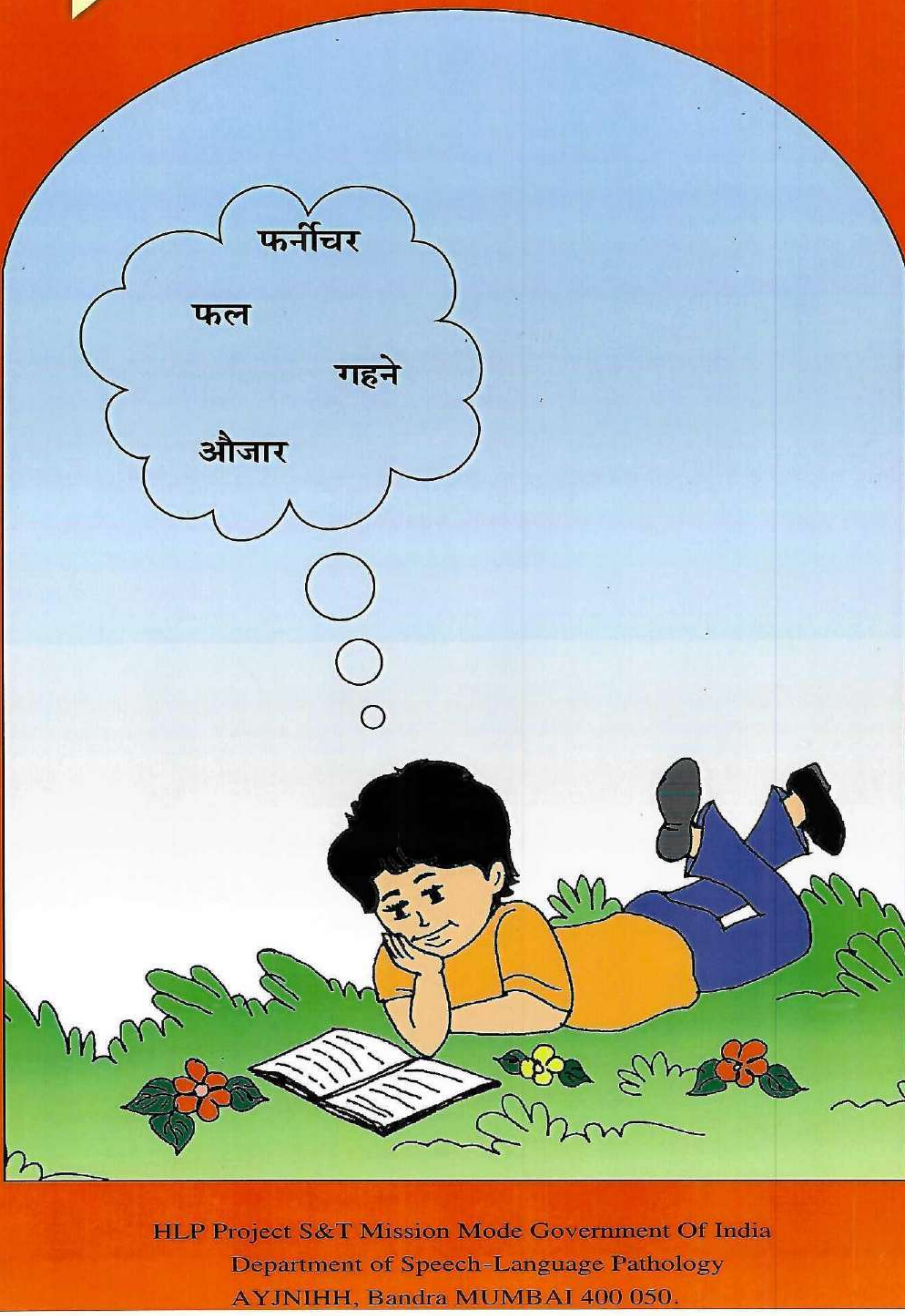

HLP Project S&T Mission Mode Government Of India
Department of Speech-Language Pathology
AYJNIHH, Bandra MUMBAI 400 050.

ACKNOWLEDGMENT

A systematic training material easily accessible to teachers and parents of the language disordered children, a cherished distant dream has become a reality. Thanks to Science and Technology Mission Mode, Govt. of India for helping us realize this, by providing financial assistance. Their regular review and suggestions enabled us critically evaluate the material.

We are indebted to Shri Rangasayee, Director, A.Y.J.N.I.H.H. for motivating us to take up this comprehensive project and providing continuous support and guidance at every stage of the project.

Such extensive material needed critical evaluation for which we are grateful to Dr. Vijayalakshmi Basavraj, Dy. Director (Tech.), A.Y.J.N.I.H.H. who gave invaluable suggestions and support.

We highly appreciate and thank Dr. Geetha Mukundan, Reader & Head, Department of Speech-Language Pathology, A.Y.J.N.I.H.H. for providing departmental facilities and steady support throughout the project. Our special thanks to Mrs. Varsha Gathoo, Reader and Head, Department of Education, A.Y.J.N.I.H.H., for the feedback and suggestions which helped us to improve upon our earlier drafts.

We thank Dr. Sureshkumar, Ex-Director of Kendriya Hindi Sansthan, Agra and Dr. Medha Karbhari - Adhyaru for their guidance in finalizing the list of vocabulary of the books.

We appreciate the co-operative and unconditional support provided by the respective Principals and Teachers of the following Special Schools for The Hearing Impaired in Delhi and Mumbai, who in spite of their busy schedule dedicated their valuable time for field testing the material without which the material would not have taken this shape.

Asha Special School, New Delhi, Association of Welfare of Handicap, Faridabad, New Delhi, Awaz Special School for Deaf, New Delhi, Koshish School for Deaf, Malad, Mumbai, M.P.K. Welfare Centre for Hearing and Speech Handicapped, Harayana, Pragati School for Deaf, Dadar, Mumbai, Premalabai Chavan School for Deaf, New Delhi, Rochiram Thandhani School for Hearing Handicapped, Chembur, Mumbai, Shivaji Park School for the Deaf, Mahim, Mumbai, Shruti School for Deaf, Juhu, Mumbai, Utkarsha School for the Deaf, Vile Parle, Mumbai, Welfare Center for Impaired, Sonepat, New Delhi, Welfare Centre for Hearing and Speech Handicapped, Gurgaon, New Delhi.

The parents of children with hearing impairment provided us with positive feedback on this material and stressed the utility and need for such material. We are highly indebted to them. A heart felt thanks to them.

Development of the books would have been incomplete without the support of the proofreaders. We take this opportunity to thank Mrs. Namrata Pawar, Hindi Section, A.Y.J.N.I.H.H. and Mr. Chandravir Banshidhar Yadav for proof reading the material.

We acknowledge Prof. J.C. Sharma for helping us with statistical analysis.

We are grateful to Mrs. Meenal Umrao and Mrs. Nayna Shinde for their umatched consistent and robust hardwork and sometimes working during odd hours to catch up with the project work.

The prompt support always provided by Mr. Nitin Warekar, Hardware Engineer, Establishment, Accounts and Hindi Section is greatly valued.

Usha Dalvi
Principal Investigator

Sadhana Relekar
Co Investigator

PROJECT DETAILS

Funded by : *S & T mission mode, Government of India.*

Conducted by : *Department of Speech-Language Pathology, Ali Yavar Jung National Institute for the Hearing Handicapped, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, Bandra,, Mumbai - 50.*

Project Group:

- *Principal Investigator* : *Mrs. Usha Dalvi (Lecturer, A.Y.J.N.I.H.H.)*
- *Co-Investigator* : *Ms. Sadhana Relekar (Lecturer, A.Y.J.N.I.H.H.)*

Research Team:

- *Linguist* : *Dr. Rita Mathur*
- *Special Educator* : *Mrs. Bindiya Kamble*
- *Special Educator* : *Mrs. Sneha Tambe*

Illustrations:

- *Commercial Artist* : *Ms. Leena Teli*
  Ms. Varuna Naik

Layout and Visualization : *Sun Graphics*

Copy right:

All rights reserved. No part of this book may be reproduced stored in retrieval system, or transmitted in any means, electronic mechanical, photocopying, recorded or otherwise, without written permission of.................................

दो शब्द शिक्षकों एवम् अभिभावकों से

श्रवण बाधित बच्चों में भाषा ज्ञान के संवर्धन और परिवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहे हैं। परंतु इन प्रयासों की जानकारी केवल कुछ ही लोगों को है जो इस समस्या के प्रति जागरुक हैं। यह भी देखने में आया है कि श्रवण बाधित बच्चों में बोलने की क्षमता व भाषिक विकास के लिए आवश्यक सामग्री का भी अभाव है। ये बच्चे संपूर्ण रूप से स्वस्थ एवम् मानसिक रूप से सामान्य होते हैं, परंतु केवल श्रवण विकलांगता के कारण भाषिक ज्ञान से वंचित रह जाते हैं। इस कमी को पूरा करने के लिये ही यह पुस्तक मालिका प्रस्तुत की जा रही है। इस पुस्तक मालिका में क्रमिक रूप से भाषा के जटिल रूपों को सरल चित्रों व सरल लेखन के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। यह पुस्तक मालिका तीन वर्गों में विभाजित है। प्रथम - वर्ण संसार, द्वितीय - शब्द संसार तथा तृतीय - वाक्य संसार। जैसा कि नाम से विदित है, यह पुस्तकमालिका क्रमशः वर्णमाला, शब्द संरचना और वाक्य विन्यास का ज्ञान कराती है। भाषा का ज्ञान कराने वाली पुस्तकें बहुत सी हैं जो हिंदी की सभी व्याकरणिक कोटियों का ज्ञान कराती हैं, किंतु सभी पुस्तकें पाठ्यक्रम के अनुसार निर्मित हैं और सामान्य विद्यार्थी के लिए लाभप्रद भी है, पर ये श्रवण बाधित बच्चे अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के कारण उन पुस्तकों का लाभ नहीं उठा पाते। श्रवण विकलांगता के कारण वे प्रायः भाषा सीखने और उसके बहुत से प्रयोगों, उदाहरण स्वरूप भाषा के अलंकारिक प्रयोग से अनभिज्ञ रह जाते हैं। अतः इन बच्चों की शब्द आधारित भाषा सीखने की असमर्थता को ध्यान में रखते हुए ही इस पुस्तक मालिका की रचना की गई है।

'वर्ण संसार' की पुस्तिकाएँ वर्णों के आकार और रूप का ज्ञान कराती हैं। 'शब्द संसार' की पुस्तिकाएँ शब्दों के विभिन्न प्रयोगों और उनके व्यापक अर्थ का परिवर्धन कराती हैं तथा 'वाक्य संसार' की पुस्तिकाएँ विभिन्न वाक्यों की संरचना एवं हिंदी व्याकरण की जटिलताओं को सरल रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास करती हैं। इस पुस्तक मालिका से दो वर्ष से आठ वर्ष के आयु वर्ग के श्रवण बाधित बच्चों में भाषा विकास संपूर्ण रूपसे हो जाएगा, यह समझना सही नहीं होगा। परन्तु इस पुस्तक मालिका का प्रयोग इन बच्चों के अध्यापकों, अभिभावकों एवं अन्य वे सभी जो भाषा अल्पता एवं शुद्धता की समस्या को सुलझाना चाहते हैं, उनका पथ एवं दिशा निश्चित करने में सहायक होगी। साथ ही यह पुस्तकमालिका सभी बच्चों में भाषा अर्जन, बोलना, वाचन और लेखन क्षमताओंका विकास करने में भी सहायक सिद्ध होगी। कृपया इस विषय में अपने अनुभव हमें अवश्य बताएँ। इस पुस्तक मालिका की सहायक सामग्री के रूप में और अधिक परिवर्धित एवं उपयोगी करने की दिशा में आपके सुझाव आमंत्रित हैं।

धन्यवाद ...

संज्ञा

संज्ञा का अर्थ नाम होता है। किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, जाति या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा पाँच प्रकार की होती है।

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा : जो संज्ञा शब्द किसी विशेष मनुष्य, प्राणी, स्थान या वस्तु का बोध कराते हैं; जैसे- मुंबई, इंदिरा गांधी, भारत, गजेंद्र इत्यादि।

2. जातिवाचक संज्ञा : जो संज्ञा शब्द सामान्य जाति का बोध कराते हैं; जैसे- किसान, फूल, जहाज, नदी, गाय, पक्षी इत्यादि।

3. भाववाचक संज्ञा : जो संज्ञा शब्द किसी विचार, भाव, दशा, गुण, दोष इत्यादि को प्रकट करते हैं; जैसे- प्रेम, चोरी, मित्रता, कंजूसी इत्यादि।

4. समुदायवाचक संज्ञा : जो संज्ञा शब्द समूह या समुदाय को प्रकट करते हैं; जैसे- सभा, भीड़, परिवार, सेना, कक्षा इत्यादि।

5. द्रव्यवाचक संज्ञा : जिस संज्ञा शब्द से किसी द्रव्य या धातु का बोध होता है उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं, जैसे- तेल, घी, पानी, बर्फ, रुई, सोना, चाँदी, गेहूँ इत्यादि।

संज्ञा शब्दों को चित्रों एवं छोटे-छोटे वाक्यों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है, जिससे कर्णबाधित बच्चे शब्द एवं अर्थ के संबंध को चित्र के द्वारा आत्मसात कर सकें । संज्ञा शब्द ज्ञान पुस्तिका 4 भागों में विभाजित की गई है ।

भाग 1 में जिन क्षेत्रों से इनका चयन किया गया है वे इस प्रकार हैं :- कपड़े, खेल, खान-पान इत्यादि।

भाग 2 में जिन क्षेत्रों से इनका चयन किया गया है वे इस प्रकार हैं :- फल, फर्नीचर, जानवर इत्यादि।

भाग 3 में जिन क्षेत्रों से इनका चयन किया गया है वे इस प्रकार हैं :- घर , गाँव, मौसम इत्यादि।

भाग 4 में जिन क्षेत्रों से इनका चयन किया गया है वे इस प्रकार हैं :- शौक , प्रकृति , खदान इत्यादि।

संज्ञा शब्दों को इन सब भागों में संदर्भसहित प्रस्तुत किया गया है।

शब्द ज्ञान

संदर्भ सहित - भाग 2

यह पुस्तिका हिंदी भाषा की मूल शब्दावली को प्रस्तुत करती है। शब्दों को चित्रों एवं छोटे-छोटे वाक्यों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है, जिससे श्रवण बाधित बच्चे शब्द एवं अर्थ के संबंध को चित्र के द्वारा आत्मसात कर सकें। जिन क्षेत्रों से इनका चयन किया गया है वे इस प्रकार हैं: फ़ल, फर्नीचर, जानवर, रिश्ते, त्योहार, गहने, द्रव, धातु, और औजार।

प्रत्येक क्षेत्र से कम से कम 10 एवं अधिक से अधिक 15 शब्दों का चयन किया गया है। इस प्रकार भाग 2 में लगभग 100-150 शब्दों को सम्मिलित किया गया है। यह सभी प्रचलित शब्द हैं।

नोट : इन शब्दों को आप जब भी मौका मिले तब इन्हें संदर्भ अनुसार दोहराइए। जिससे बच्चों का शब्द कोष दृढ़ होगा और वे भाषा का उपयोग अर्थपूर्ण कर पाएगें। बच्चों को सही संदर्भ में उनका उपयोग करने के लिए मौका दीजिए। जिससे वे इन शब्दों को अपने बोली में ला सकें।

संज्ञा भाग 2

पाठ्यसूची

क्र.	पाठ	पृष्ठ क्र.
1.	फल	1
2.	फर्नीचर	6
3.	जानवर	10
	पुनरावलोकन	14
4.	रिश्ते	17
5.	त्योहार	19
6.	गहने	23
7.	द्रव	27
8.	धातु	31
9.	औजार	36
	पुनरावलोकन	42

पाठ 1 : फल

सेब, केला, अमरूद, कटहल, आम, काजू, अंजीर, अंगूर, मूँगफली, अनार, संतरा, पपीता, खरबूजा, अनन्नास, गन्ना

फल कई प्रकार के होते हैं। कुछ फल मीठे, कुछ फल खट्टे, कुछ खट्टे-मीठे होते हैं। फल अलग-अलग आकार और रंग के होते हैं। हम कुछ फलों को बीज के साथ खाते हैं जैसे अमरूद, अंगूर और कुछ फलों के बीज निकालकर खाते हैं जैसे आम, पपीता, खरबूजा। कुछ फलों को सुखाकर खाया जाता है, उन्हें सूखा मेवा कहते हैं जैसे मुनक्का, अंजीर, खजूर, काजू। फल सेहत के लिए अच्छे होते हैं।

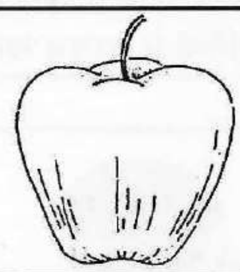

यह सेब है।
सेब मीठा फल है।

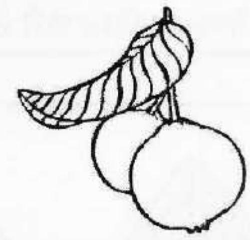

यह अमरूद है।
अमरूद में छोटे-छोटे बीज होते हैं।

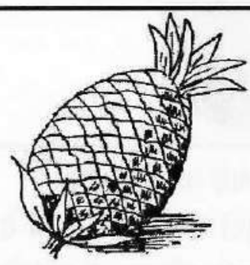

यह अनन्नास है।
अनन्नास में बीज नहीं होते।

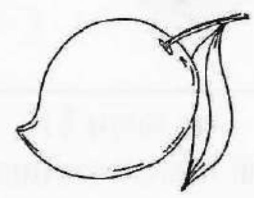

यह आम है।
आम का रस मीठा होता है।

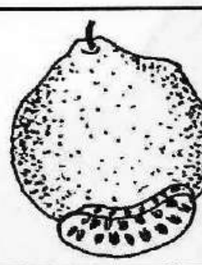

यह संतरा है।
संतरा खट्टा-मीठा होता है।

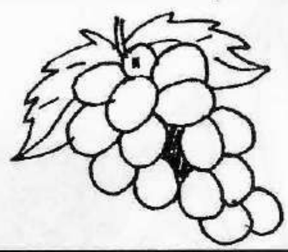

ये अंगूर हैं।
अंगूर के गुच्छे होते हैं।

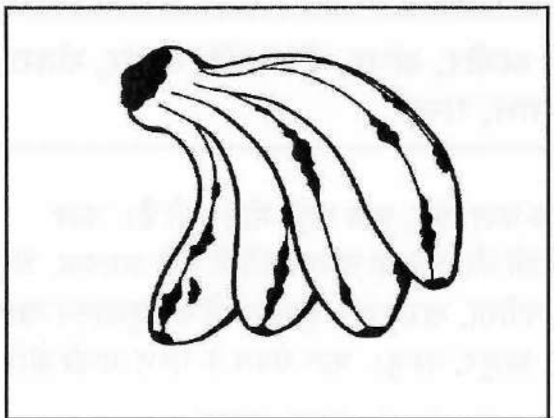

यह केला है।
केले पैष्टिक होते हैं।
केले स्वादिष्ट होते हैं।

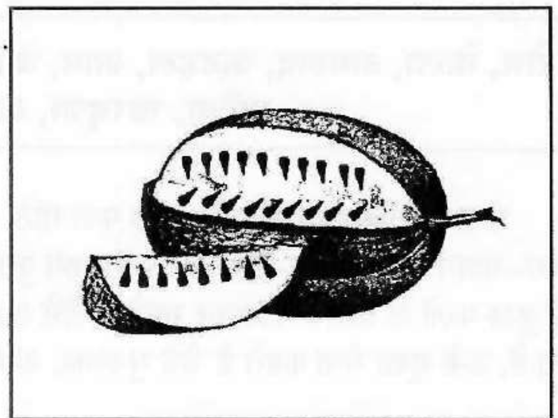

यह तरबूज है।
तरबूज बड़ा और अंदर से लाल होता है।
हम गर्मियों में तरबूज खाते हैं।

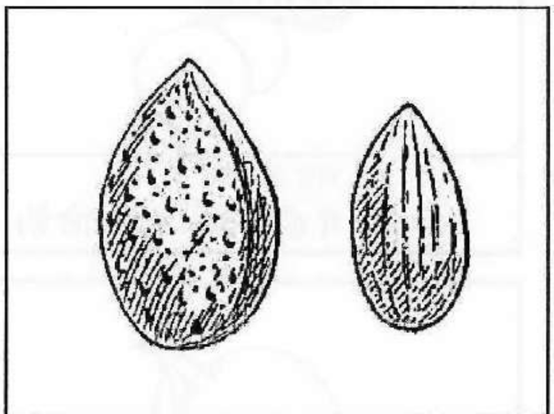

यह बादाम है।
मिठाईयों में बादाम इस्तेमाल करते हैं।
बादाम पौष्टिक आहार है।

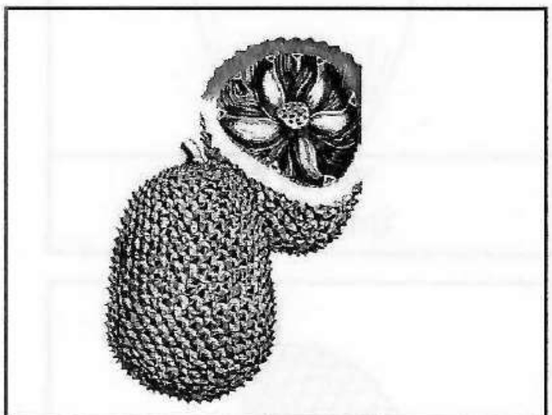

यह कटहल है।
यह सबसे बड़ा फल होता है।
कच्चे कटहल की सब्जी बनाते हैं।

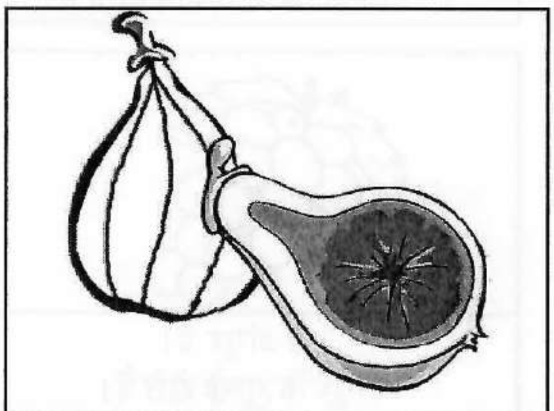

यह अंजीर है।
अंजीर दानेदार होते हैं।
अंजीर ताजे तथा सूखे मेवे में भी खाते हैं।

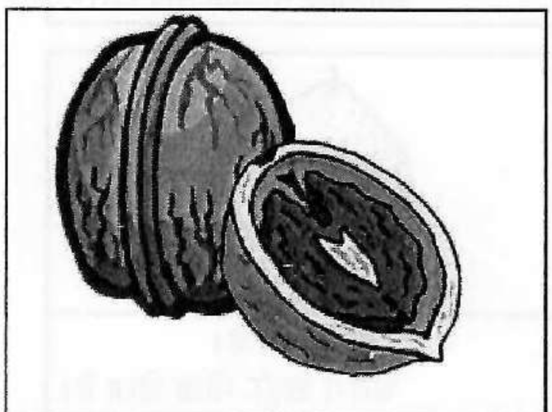

यह अखरोट है।
यह सूखा मेवा है।
अखरोट का ऊपरी छिलका कठोर होता है।

गतिविधियाँ:

I) चित्र से चित्र जोड़िए ।

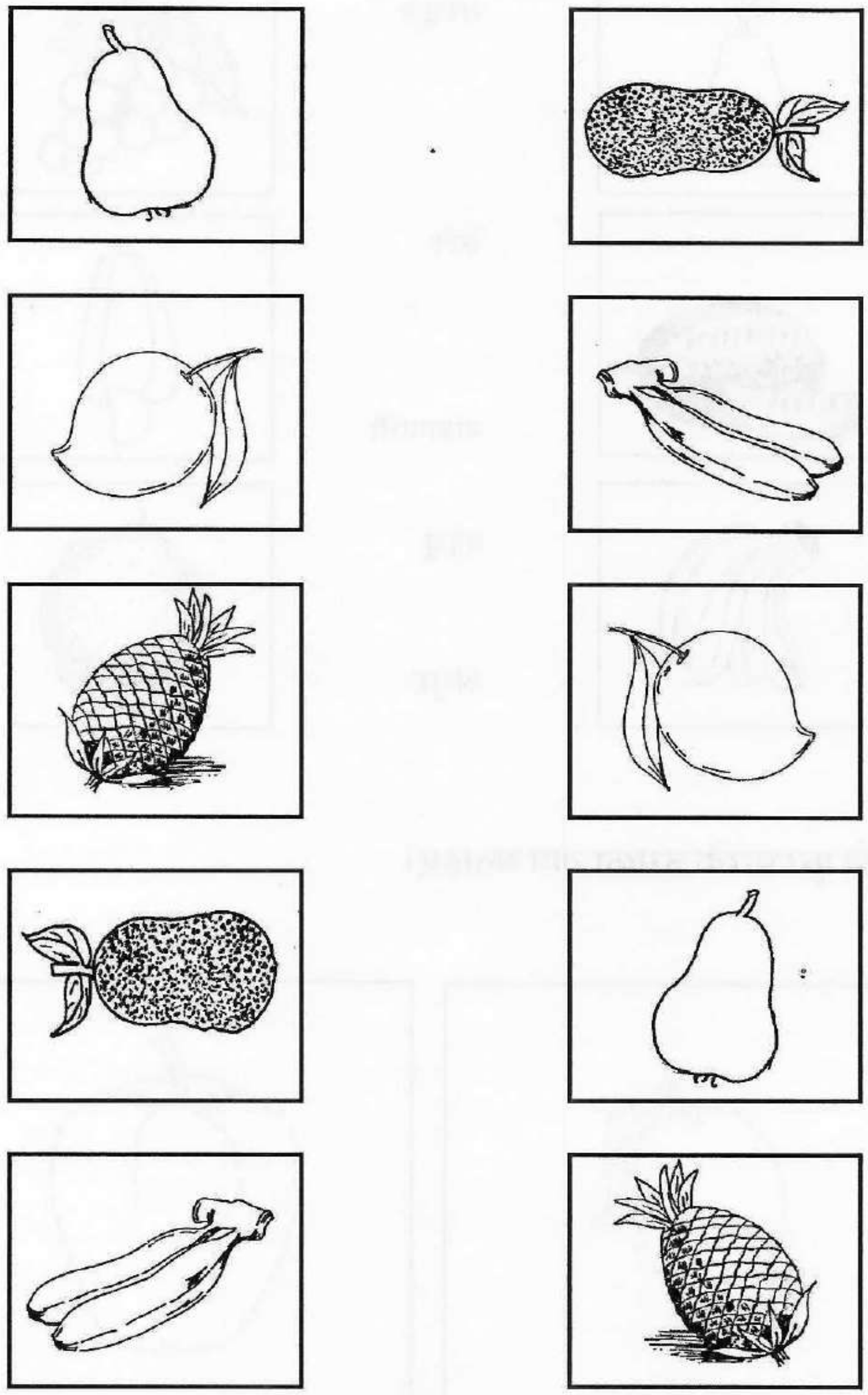

II) शब्द से सही चित्र जोड़िए।

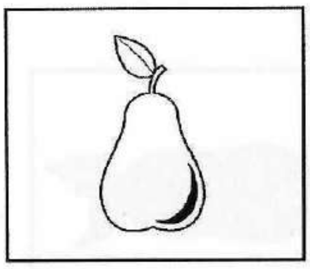

तरबूज

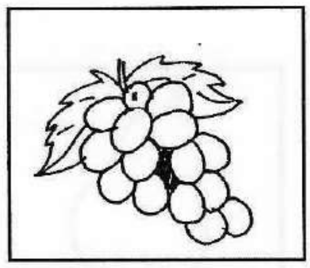

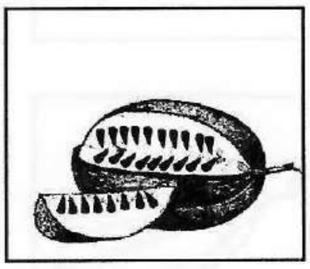

केले

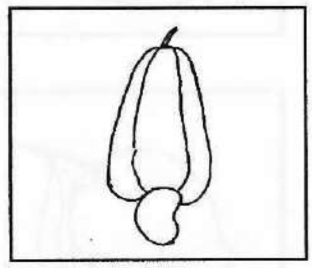

नाशपाती

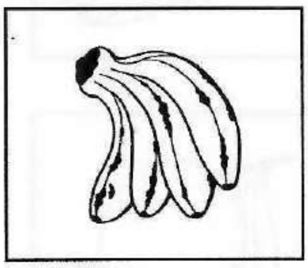

काजू

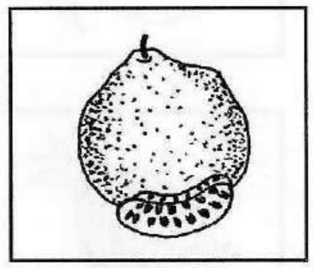

अंगूर

III) चित्र को पूरा करके उसका नाम बताइए।

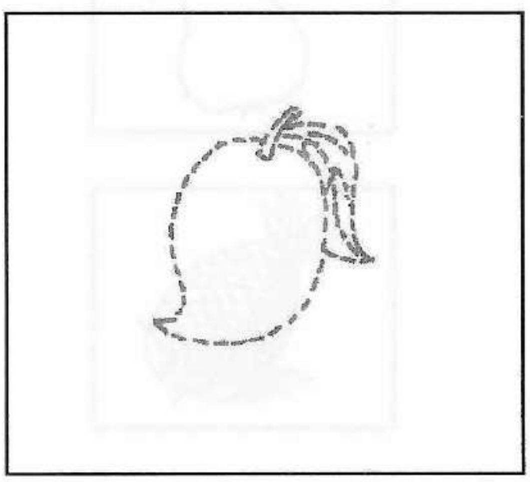

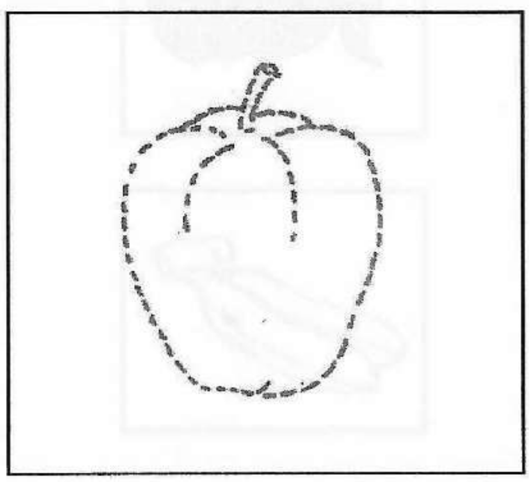

IV) चित्र देखकर निम्नलिखित गतिविधियाँ कीजिए।

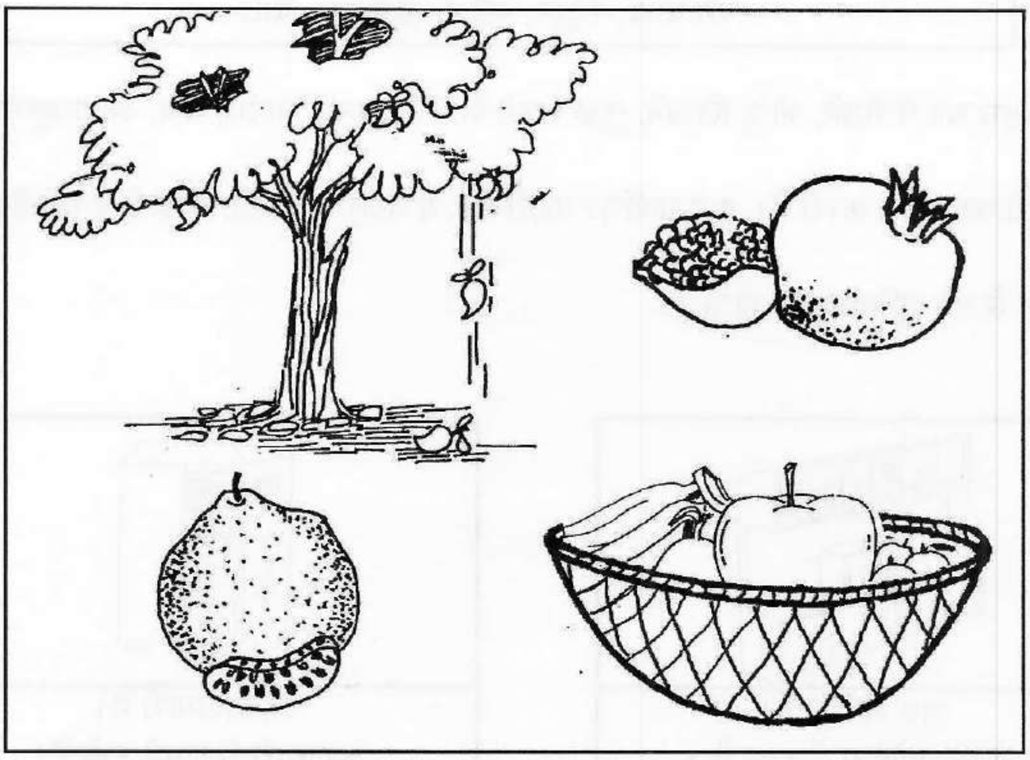

1) केले के चित्र पर (x) निशान लगाइए।

2) अनार के चित्र पर (o) कीजिए।

3) सेब के चित्र पर (   ) निशान लगाइए।

V) सूचना के अनुसार 3-3 फलों के नाम लिखिए।

1) जो फल हम छील के खाते हैं।

____

2) जो फल मीठे होते हैं।

____

3) जो फल खट्टे होते हैं।

____

4) जो फल छोटे होते हैं।

____

पाठ 2 : फर्नीचर

मेज, कुर्सी, शेल्फ, सोफा, अलमारी, शोकेस, पलंग, आरामकुर्सी, बेंच, टी पॉय, स्टूल, स्टैंड, खटिया, पाट

हम घर में बैठने, सोने, लिखने, कुछ रखने के लिए कुर्सी, पलंग, मेज, आरामकुर्सी, सोफा, अलमारी का प्रयोग करते हैं। इन्हें फर्नीचर कहते हैं। ये वस्तुएँ लकड़ी, लोहे से बनती हैं। फर्नीचर से घर सुविधाजनक होता है।

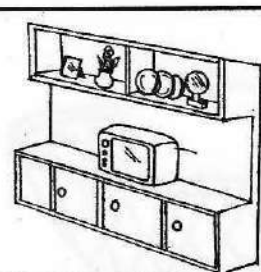

यह शोकेस है।
टी.वी. शोकेस में रखा है ।

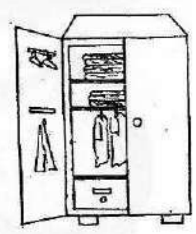

यह अलमारी है।
अलमारी में कपड़े रखे हैं।

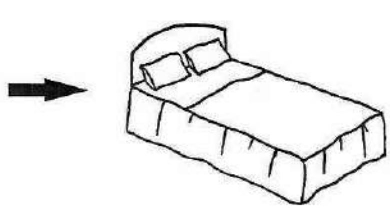

यह पलंग है।
हम पलंग पर सोते हैं।

यह आरामकुर्सी है।
दादाजी आरामकुर्सी पर बैठे हैं।

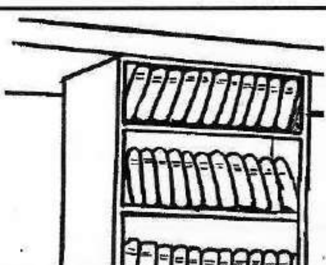

यह शेल्फ है।
शेल्फ में किताबें रखी हैं ।

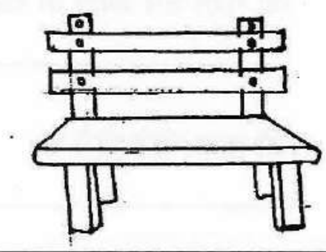

यह बेंच है।
बेंच बगीचे में होते हैं।

यह स्टूल है।
स्टूल पर चढ़कर ऊपर से वस्तुएँ निकालते हैं।

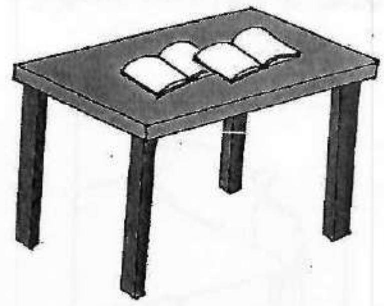

यह मेज है।
मेज पर किताबें रखी हैं।

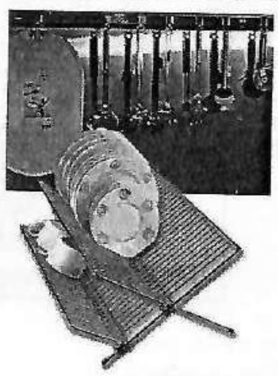

यह स्टैंड है
इसमें बर्तन रखे जाते हैं।

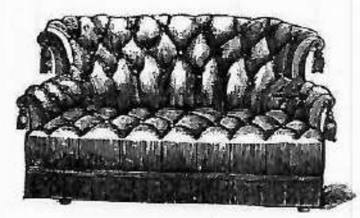

यह सोफा है।
सोङ्का नरम होता है।
सोफेपर लोग बैठते हैं।

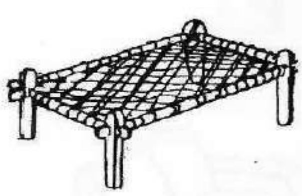

यह खटिया है।
खटिया रस्सी से बाँधते हैं।

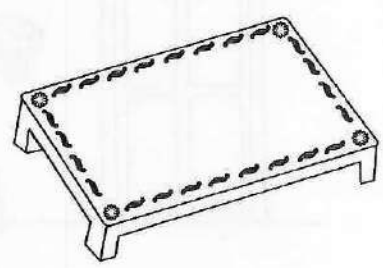

यह पाट है।
पाट बैठने के लिए इस्तेमाल करते हैं।

गतिविधियाँ:

I) शब्द से सही चित्र जोड़िए ।

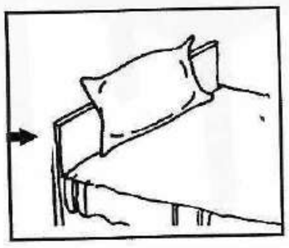

आरामकुर्सी

शोकेस

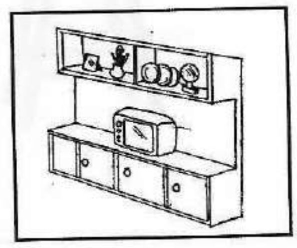

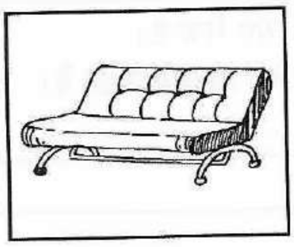

पलंग

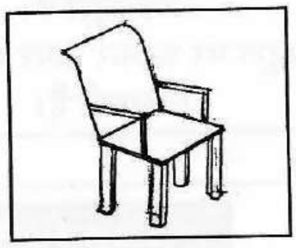

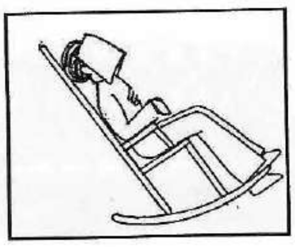

सोफा

कुर्सी

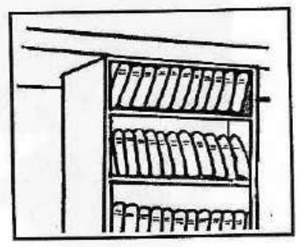

II) चित्र देखिए और आपके घर में कौन से फर्नीचर हैं उसपर गोल कीजिए।

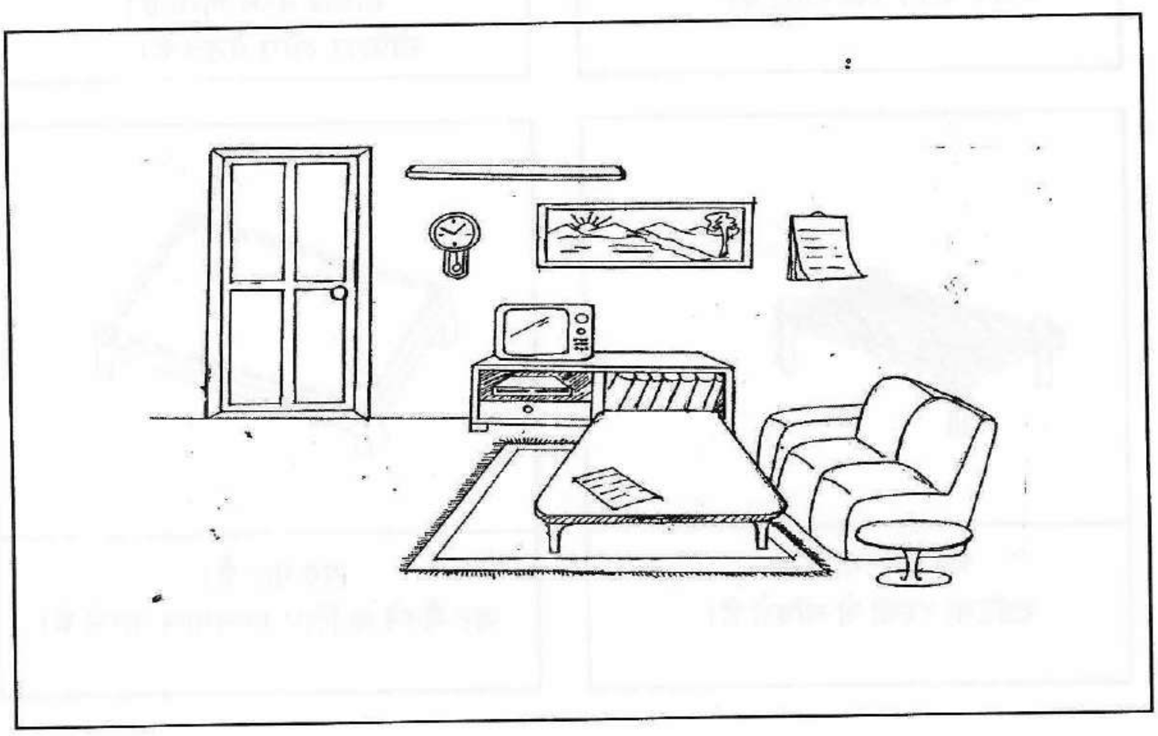

III) आपके घर में नीचे दिए हुए फर्नीचर कितने हैं?

		प्लास्टिक	लोहा	लकड़ी
1)	कुर्सी			
2)	पलंग			
3)	अलमारी			
4)	टी पॉय			
5)	मेज			
6)	शेल्फ			
7)	आरामकुर्सी			

IV) निम्नलिखित कोष्ठक में से शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

(पलंग, कुर्सी, अलमारी, सोफा, बेंच, मेज,)

1) हम ______________ और ______________ पर बैठते हैं।

2) हम ______________ पर सोते हैं।

3) ______________ में कपड़े रखते हैं।

4) हम ______________ पर खाना खाते हैं।

5) बगीचे मे ______________ लगाते हैं ।

पाठ 3: जानवर

भैंस, घोड़ा, बिल्ली, कुत्ता, शेर, लोमड़ी, हाथी, बंदर, बाघ, भालू, गाय

जानवरों के दो प्रकार होते हैं:-

जंगली जानवर: ये जंगल में रहते हैं। ये जानवर हिंसक होते हैं। इन्हें हम प्राणिसंग्रहालय में देख सकते हैं। जैसे: बाघ, शेर।

पालतू जानवर: हम इन्हें पालते हैं। ये पालतू जानवर कुछ घरेलू काम जैसे घर की रखवाली, गाड़ी खींचना, हल चलाना इत्यादि करते हैं। जैसे: कुत्ता, घोड़ा, बैल

पालतू जानवर : भेड़, ऊँट, घोड़ा, गधा, गाय, बैल, भैंस, बकरी, बिल्ली, कुत्ता

जंगली जानवर : बाघ, शेर, हाथी, जिराफ़, लोमड़ी, ज़ेब्रा, भेड़िया, चीता, हिरन

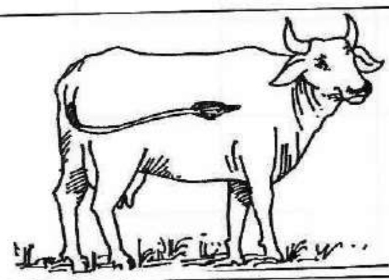

यह गाय है।
गाय दूध देती है।

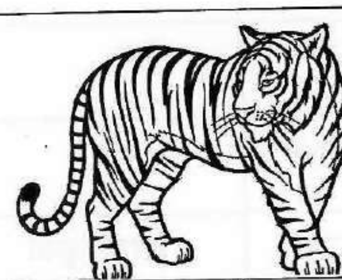

यह बाघ है।
बाघ जंगल में रहता है।

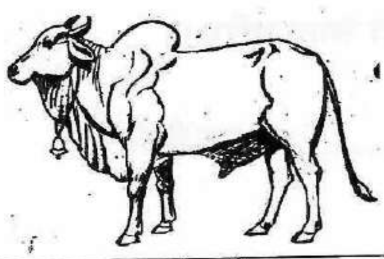

यह बैल है।
बैल हल खींचता है।

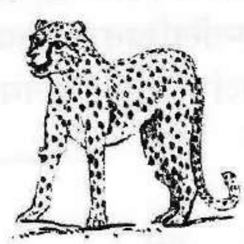

यह चीता है।
चीता तेज दौड़ता है।

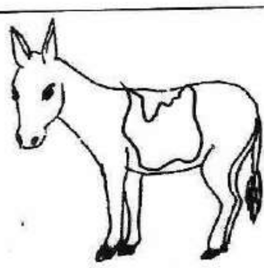

यह गधा है।
गधा बोझ उठाता है।

यह जिराफ है।
जिराफ़ की गर्दन लंबी होती है।

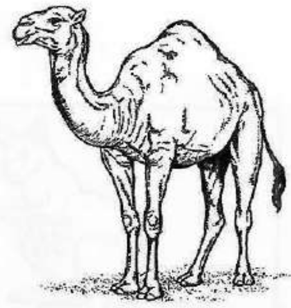

यह ऊँट है।
ऊँट की पीठ पर कूबड़ होता है।
ऊँट रेगिस्तान में पाया जाता है।

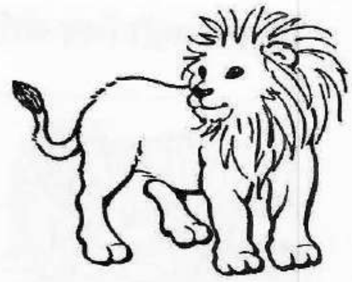

यह सिंह है।
सिंह जंगल का राजा होता है।
सिंह के गर्दन पर बाल होते हैं।

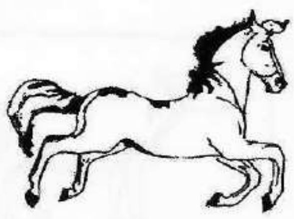

यह घोड़ा है।
घोड़ा गाड़ी खींचता है।
घोड़ा तेज दौड़ता है।

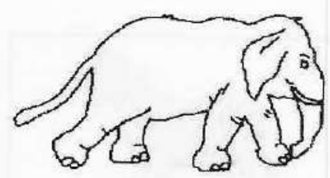

यह हाथी है।
हाथी की सूँड़ लंबी होती है।
हाथी सबसे बड़ा प्राणी है।

यह कुत्ता है।
कुत्ता घर की रखवाली करता है।
चोर को ढूँढ़ने के लिए पुलिस भी
उनका उपयोग करती है।

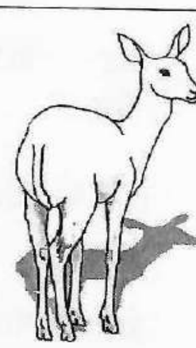

यह हिरन है।
हिरन की आँखें सुंदर होती हैं।
हिरन बहुत तेज दौड़ता है।

गतिविधियाँ :

I) शब्द से सही चित्र जोड़िए।

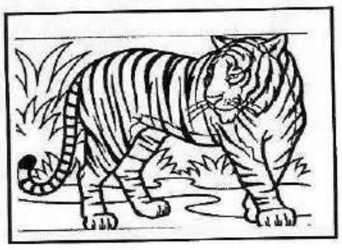

जिराफ

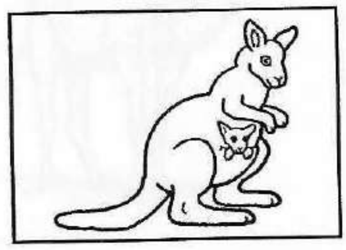

जेब्रा

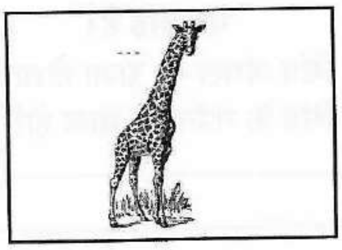

बैल

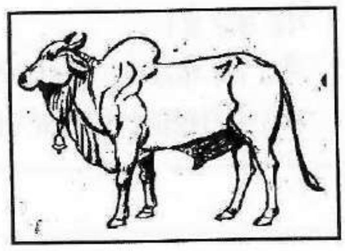

बाघ

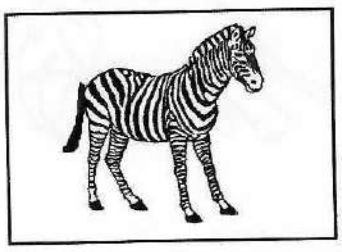

कंगारू

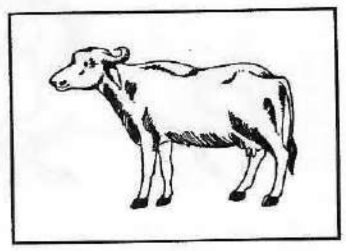

II) उचित शब्द पर गोल कीजिए।

1) बकरी / बैल दूध देती है।

2) ऊँट / भैंस के सिर पर दो सींग होती है।

3) सिंह / शेर के गर्दन पर बाल होते हैं।

4) जेब्रा / ऊँट के पीठ पर कूबड़ होता है।

5) बंदर / हाथी कूदता है।

II) चित्र देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

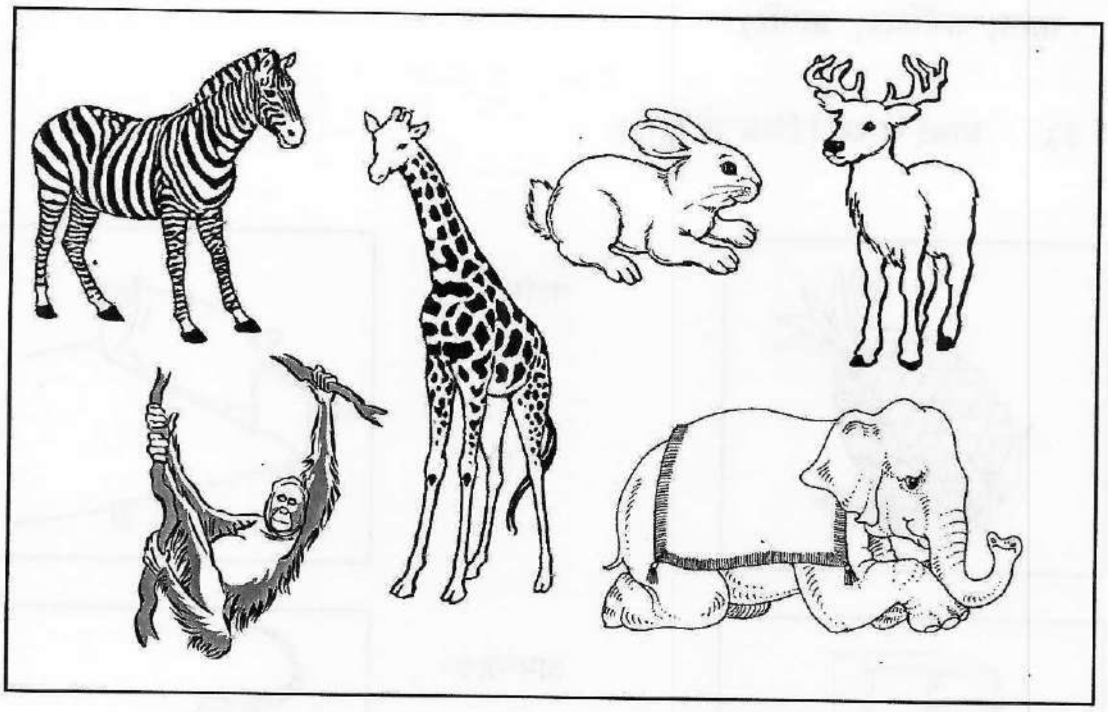

1) किस प्राणी का शरीर मुलायम होता है?   खरगोश

2) तुम्हें कौन सा प्राणी पसंद है? ____________

3) किस जानवर की आँखें सुंदरहोती हैं? ____________

4) किस जानवर के सिर पर दो सींग है? ____________

5) किस जानवर के शरीर पर काले-सफेद पट्टे होते है? ____________

IV) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) आपने कौन से जंगली जानवर देखे हैं ? उनके चित्र जमा कीजिए और कापी में चिपकाइए।

2) तुम्हारे घर कोई पालतू जानवर है? तुम उसे प्यार से क्या बुलाते हो ?

3) आपने कौनसे पालतू जानवर देखे हैं ? उनके चित्र जमा कीजिए और कापी में चिपकाइए।

(फल, फर्नीचर, प्राणी)

I) शब्द से सही चित्र जोड़िए।

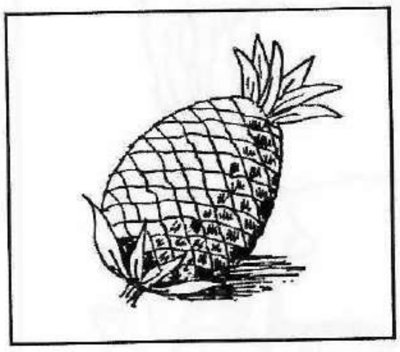

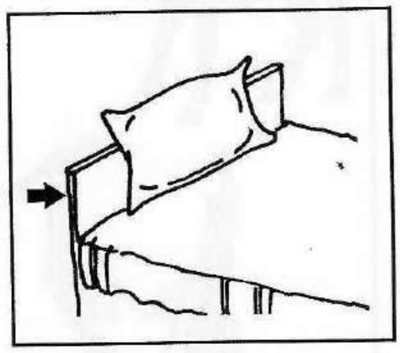

पलंग

शेर

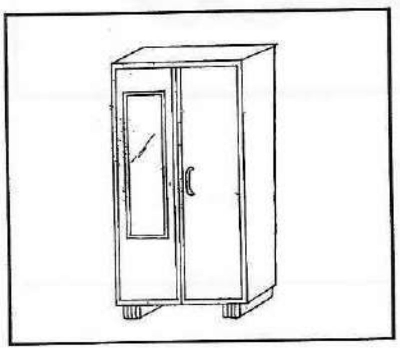

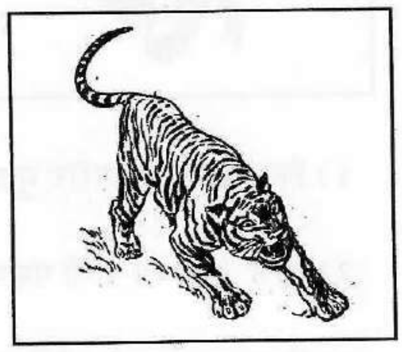

अनन्नास

अलमारी

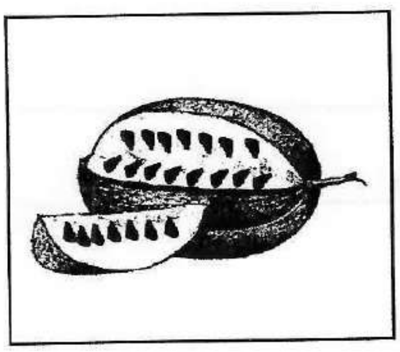

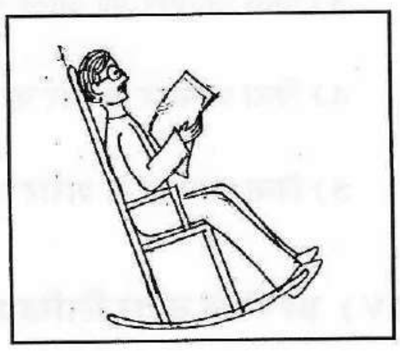

खटिया

शेल्फ

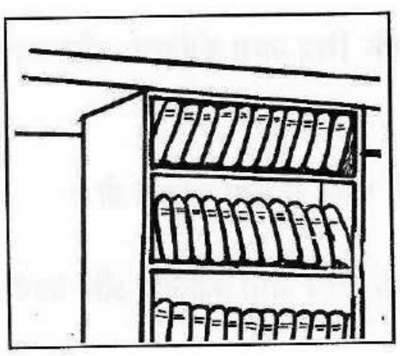

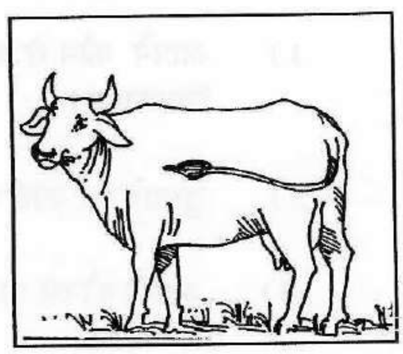

तरबूज

गाय

II) **चित्र देखकर नाम लिखिए।**

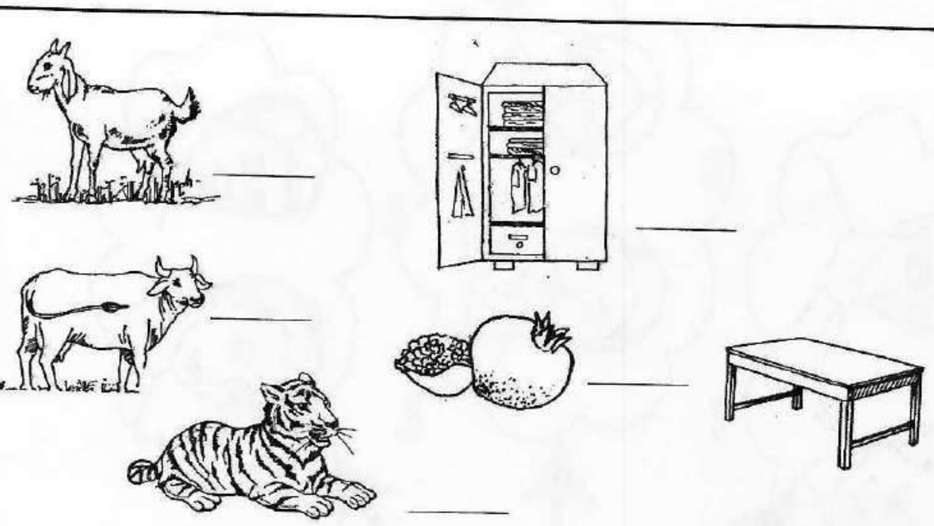

III) **निम्नलिखित संज्ञाओं का तालिका के अनुसार वर्गीकरण कीजिए।**

बेंच, पपीता, टी-पॉय, जिराफ़, संतरा, केला, चीता, शोकेस, भालू, सेब, सोफा, अनार, खरगोश, बकरी, अनन्नास, मेज

फल	फर्नीचर	प्राणी

IV) **चित्र पूर्ण कीजिए और नाम लिखिए।**

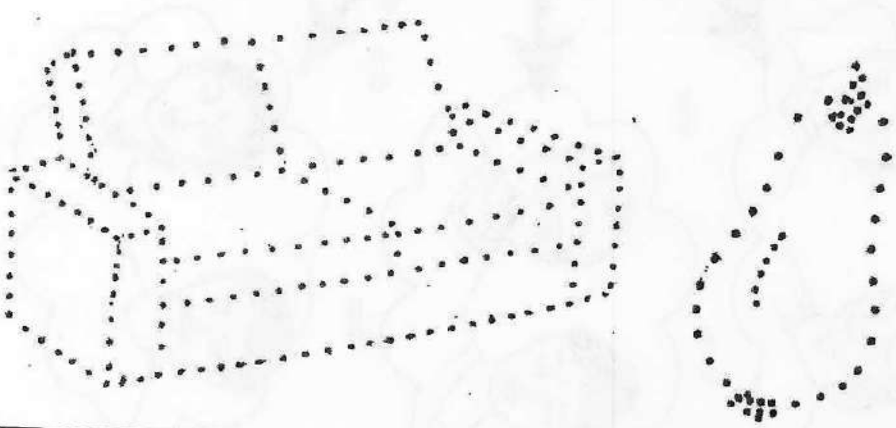

रिश्ते

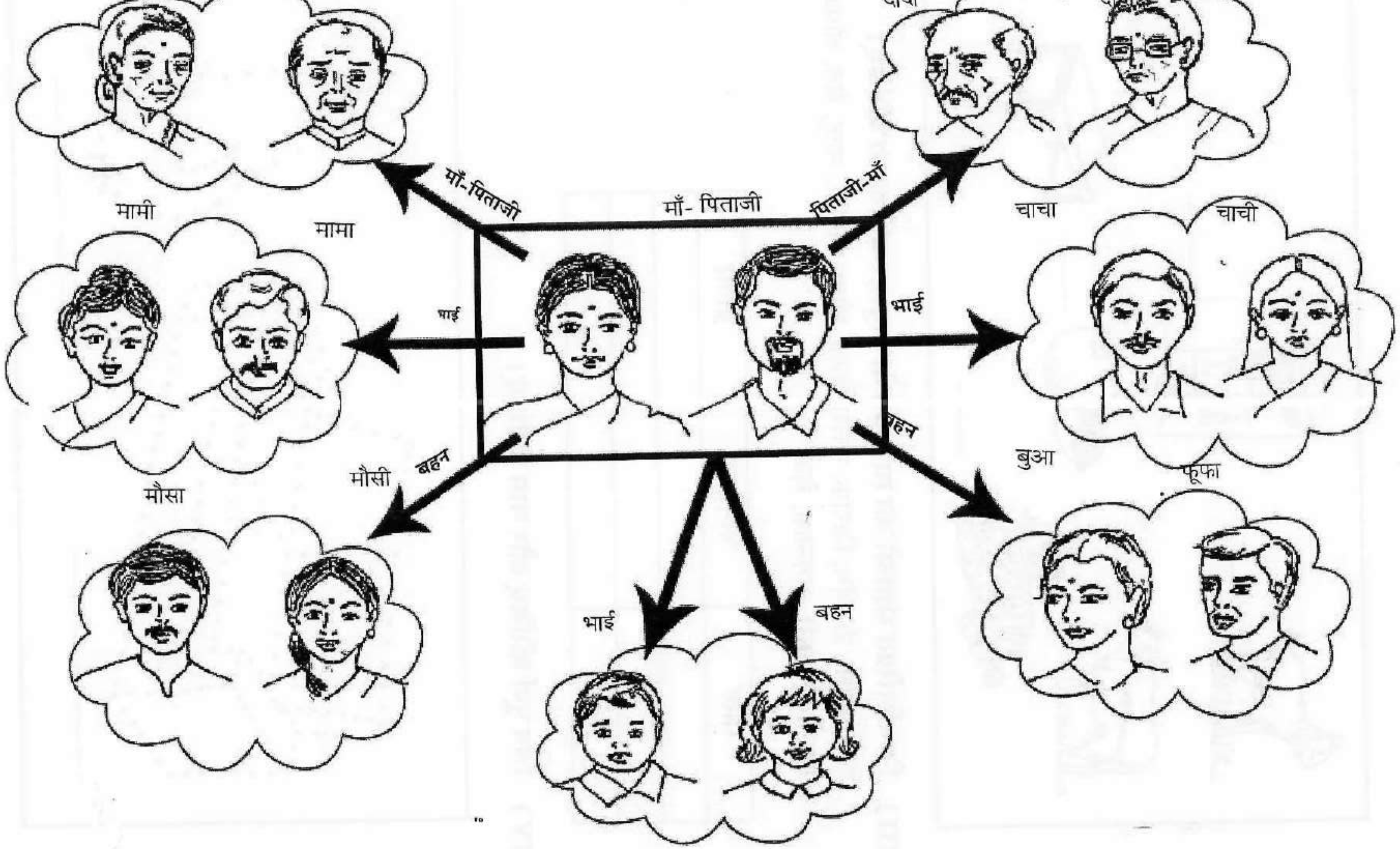

नानी
नाना
मामी
मामा
मौसा
मौसी
माँ-पिताजी
भाई
बहन
माँ- पिताजी
पिताजी-माँ
भाई
बहन
दादा
दादी
चाचा
चाची
बुआ
फूफा
भाई
बहन

पाठ 4 : रिश्ते

माँ, पिताजी, दादा, दादी, नाना, नानी, मौसा, मौसी, बुआ, चाचा, चाची, मामा, मामी, भाई, बहन

हम हमारे माँ, पिताजी, भाई, बहन, दादा और दादी के साथ रहते हैं। यह हमारा परिवार होता है। यह हमारे परिवार के सदस्य हैं। इनके अलावा हमारे नाना-नानी, मामा-मामी, मौसा-मौसी, चाचा-चाची, फुफा-फुफी यह भी हमारे रिश्ते होते हैं। यह हमारे नजदीकी रिश्तेदार होते हैं। चलो इनका रिश्ता हमसे कैसे जुड़ता है यह हम देखेंगें।

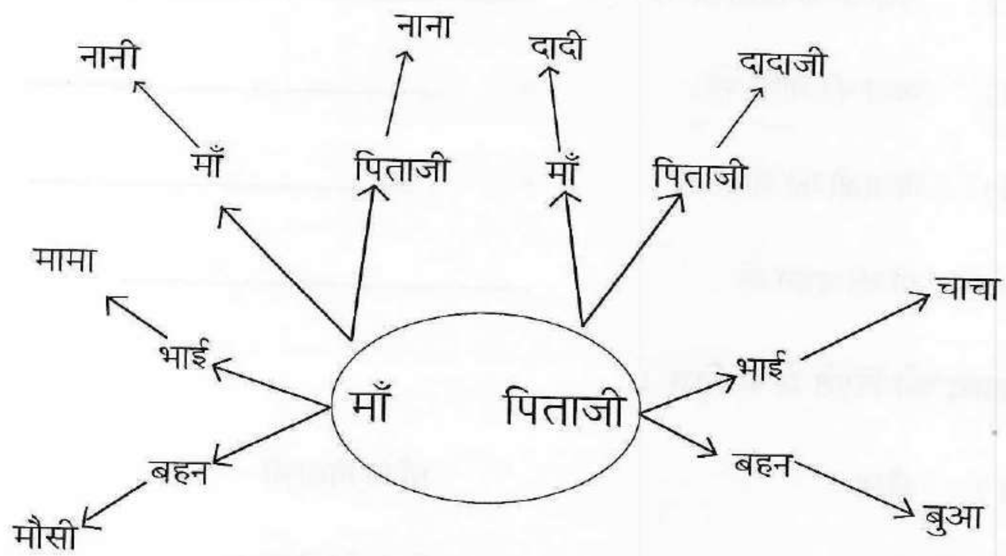

माँ से जुड़े रिश्ते

माँ की माँ को नानी कहते हैं।
माँ के पिताजी को नाना कहते हैं।

माँ के भाई को मामा कहते हैं।
मामा की पत्नी को मामी कहते हैं।

माँ की बहन को मौसी कहते हैं।
मौसी के पति को मौसा कहते हैं।

पिताजी से जुड़े रिश्ते

पिताजी की माँ को दादी कहते हैं।
पिताजी के पिताजी को दादाजी कहते हैं।

पिताजी के भाई को चाचा कहते हैं।
चाचा की पत्नी को चाची कहते हैं।

पिताजी की बहन को फुफी (बुआ) कहते हैं।
फुफी के पति को फुफा कहते हैं।

गतिविधियाँ :

I) **आपके साथ रहने वाले रिश्तेदारों के नाम पर गोल कीजिए।**

मामा, दादी, मौसा, माँ, नानी, मामी, दादाजी, पिताजी, नाना, मौसी

II) **इन रिश्तों को कैसे बुलाओगे?**

जैसे: माँ के भाई को - मामा

1) पिताजी के पिताजी को- ____________

2) मामा की बीवी को - ____________

3) पिताजी की बहन को - ____________

4) माँ की बहन को - ____________

III) **शब्द को रिश्ते से जोड़िए।**

1) मौसा	माँ के पिताजी
2) दादी	पिताजी की बहन
3) चाचा	माँ का भाई
4) नाना	माँ की बहन
5) मामा	मौसी के पति
6) फूफी	पिताजी के भाई
7) मौसी	पिताजी की माँ

पाठ 5 : त्योहार

दीपावली, होली, रक्षाबंधन, दही-हंडी, क्रिसमस, स्वतंत्रता दिन, रमजान ईद, बैसाखी, नवरात्र

हम सालभर में बहुत सारे त्योहार मनाते हैं । अलग-अलग धर्मों के अनुसार अलग-अलग त्योहार होते हैं। यहाँ कुछ त्योहारों के नाम दिए हैं। इन त्योहार में हम घर को सजाते हैं। मिठाइयाँ बाँटते हैं। नये कपड़े पहनते हैं और खुशियाँ मनाते हैं।

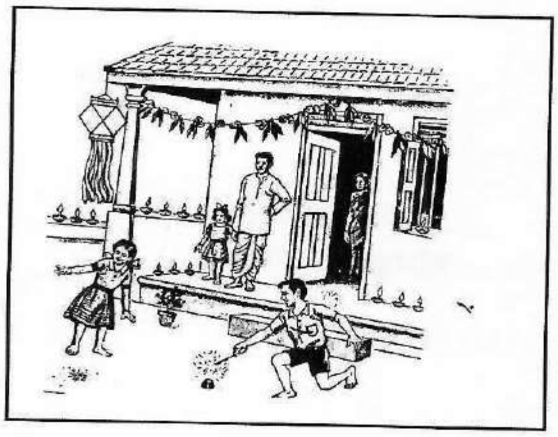

दीपावली

दीपावली एक बड़ा त्योहार है। हिंदू लोग अपना घर दीयों से सजाते हैं और फटाखे फोड़ते हैं।

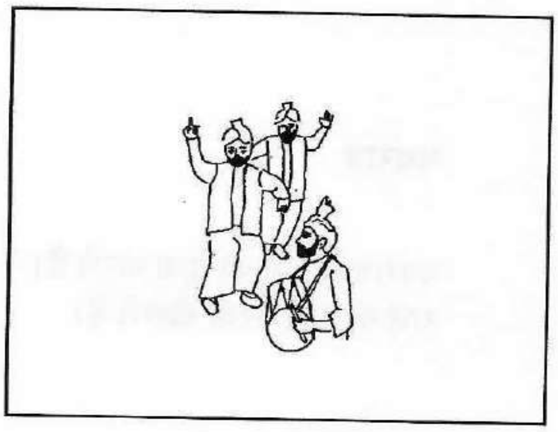

बैसाखी

बैसाखी पंजाबी लोग मनाते हैं। यह उनके नये साल की शुरूआत होती है।

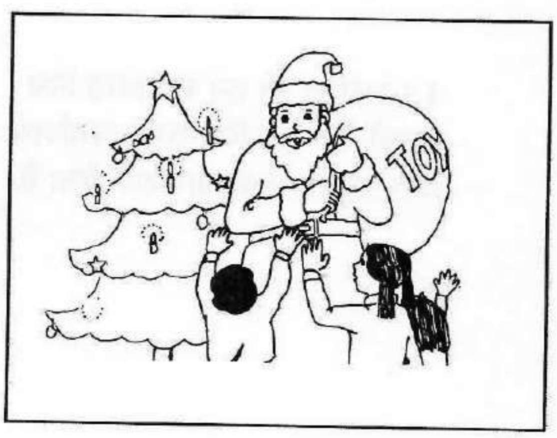

क्रिसमस

ईसाई लोग 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाते हैं। यह दिन भगवान ईशू का जन्मदिन होता है।

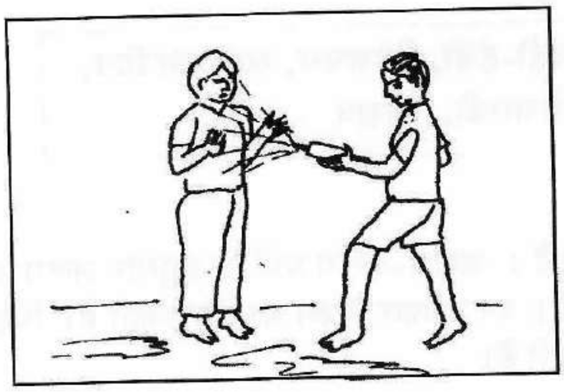

होली

होली रंगों का त्योहार है।
सब एक दूसरे को रंग लगाते हैं।

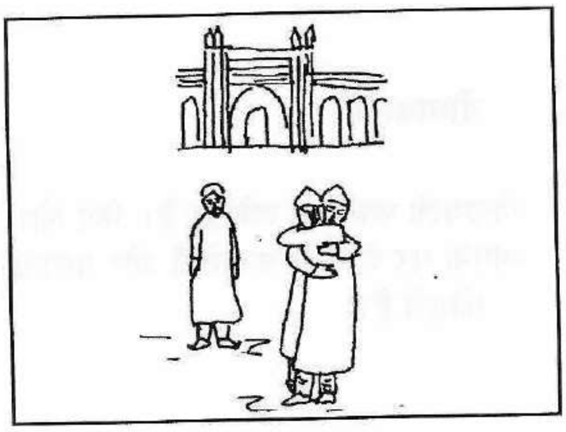

ईद

मुस्लिम रमजान ईद मनाते हैं।
खीरकुर्मा बाँटते हैं।

नवरात्र

नवरात्र में देवी की पूजा करते हैं।
रात को सब गरबा खेलते हैं।

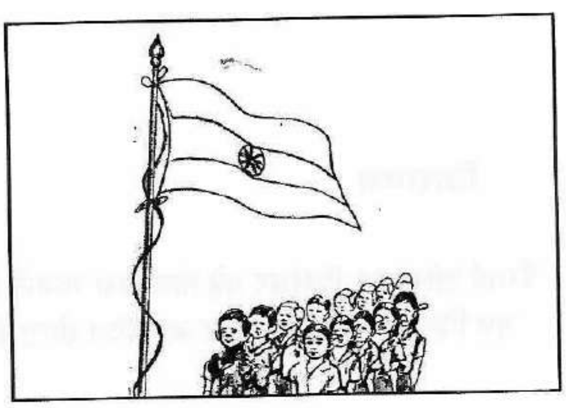

15 अगस्त को हम स्वतंत्रता दिन मनाते हैं। उस दिन सभी कार्यालयों और स्कूलों में ध्वजारोहण होता है।

I) शब्द से सही चित्र जोड़िए ।

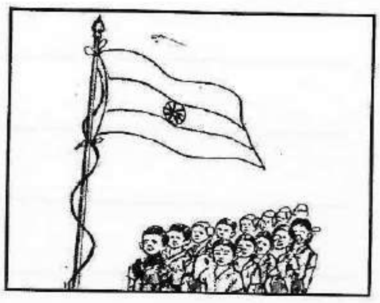

नवरात्र

दिवाली

स्वतंत्रता दिवस

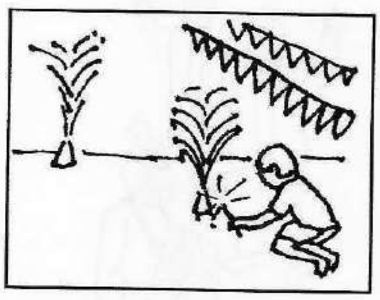

बैसाखी

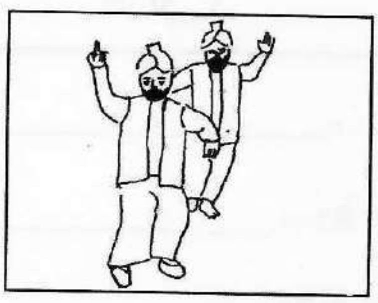

ईद

II) शब्द पढ़कर उससे जुड़े त्योहार का नाम लिखिए।

1) राखी, भाई, बहन = ______________________

2) रंग, पिचकारी = ______________________

3) केक, मोमबत्ती, सांताक्लाज = ______________________

4) फटाखे, मिठाई, दीये, रंगोली = ______________________

5) चाँद, शीरखुर्मा, मुबारक बाद = ______________________

III) चित्र देखकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

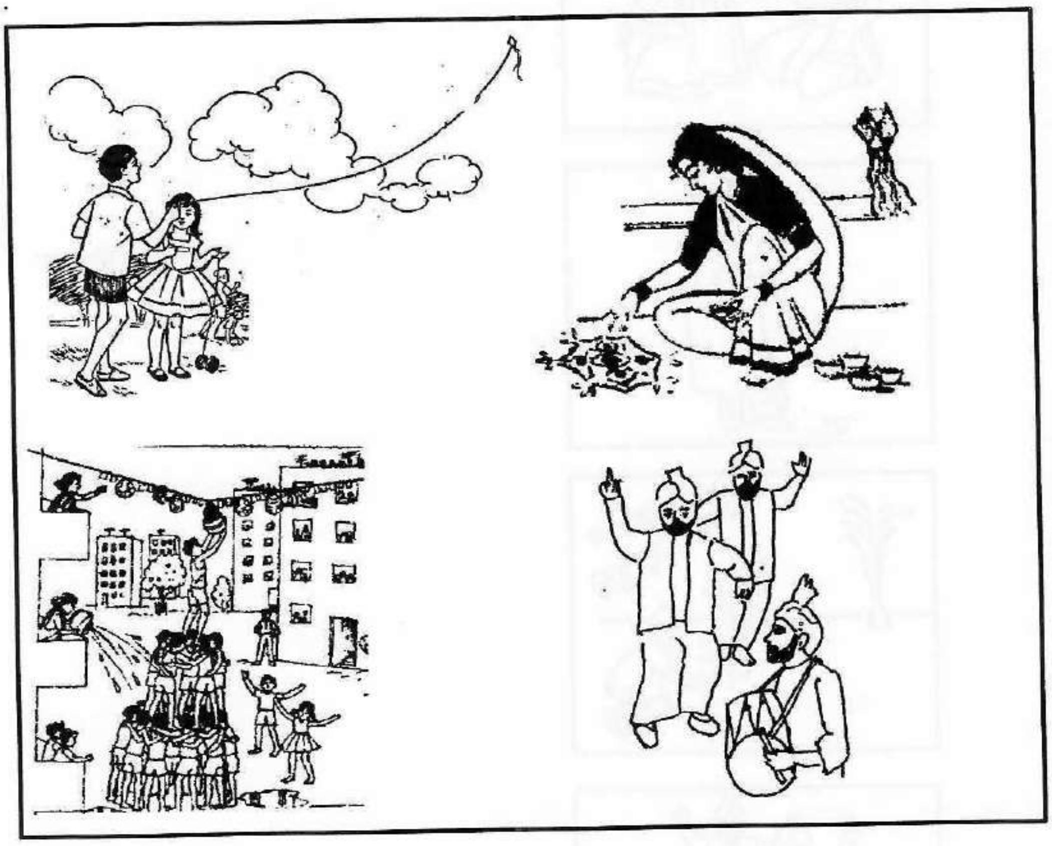

1) मकर संक्राति पर क्या करते हैं? = ______________________

2) पंजाबी लोगों का नया साल कब होता है? = ______________________

3) भैया-दूज कौन से त्योहार के साथ मनाते हैं? = ______________________

4) कौनसे त्योहार में दही-हंडी फोड़ते हैं? = ______________________

पाठ 6 : गहने

झुमका, अँगूठी, माला, हार, नथ, चूड़ियाँ, कंगन, पायल, बिंदिया, कड़ा, बाली, कर्णफूल, नथनी

हम सुंदर दिखने के लिए गहने पहनते हैं। औरतें ज्यादा गहने पहनती हैं। गहने कई प्रकार के होते हैं। जैसे : हाथों में पहनने के लिए कंगन, कड़ा, चूड़ियाँ आदि । पैरों में पायल; कानों में बाली, झुमके; नाक में नथनी; गले में माला, हार और ऊँगली में अंगूठी । हम त्योहारों पर या किसी समारंभ में जाते हैं तब गहने पहनते हैं। गहने सुनार बनाता है। गहने सोने चाँदी हीरे मोतियों से बनते हैं। इन्हें जवाहरात कहते हैं।

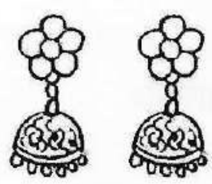

ये झुमके हैं।
झुमके कानों में पहनते हैं।

यह अँगूठी है।
अँगूठी ऊँगली में पहनते है।

यह नथ है।
नथ नाक में पहनते है।

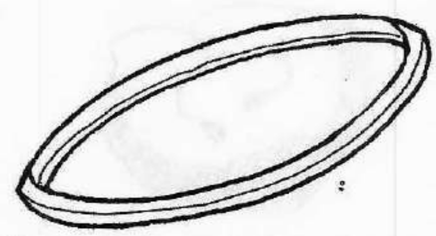

यह कड़ा है।
कड़ा हाथ में पहनते हैं।

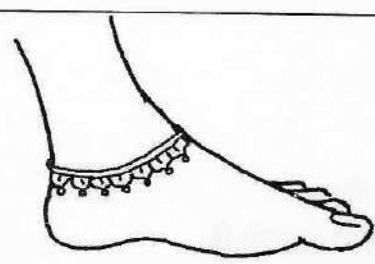

यह पायल है।
पायल छम-छम बजती है।

यह बिंदिया है।
लडकियाँ तरह-तरह की बिंदिया लगाती हैं।

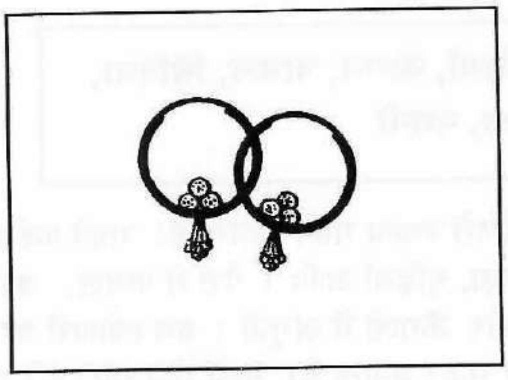

यह बाली है।
बाली कानों में पहनते हैं।

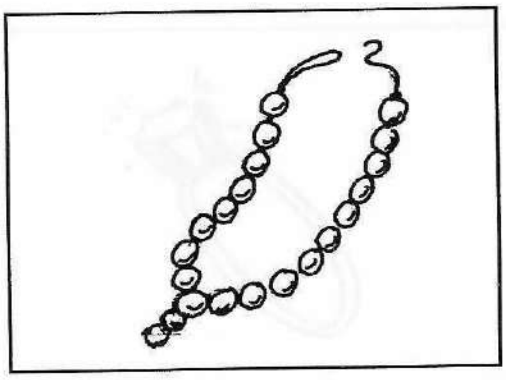

यह माला है।
माला मोती की बनाते हैं।

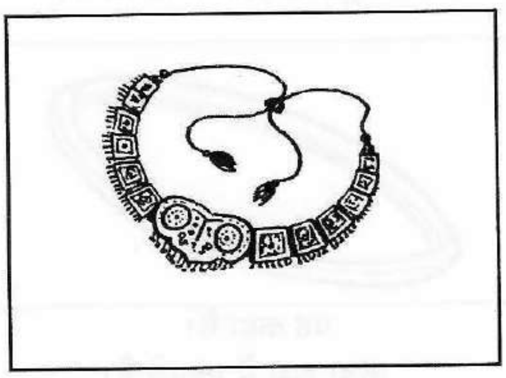

यह हार है।
हार सोने, चाँदी, हीरे और मोती का बनाते हैं।

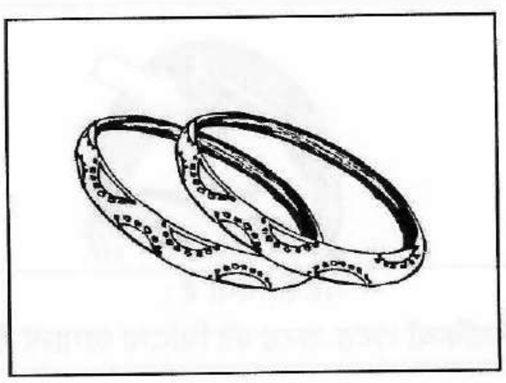

यह कंगन है।
कंगन हाथों में पहनते हैं।

I) **शब्द से सही चित्र जोड़िए।**

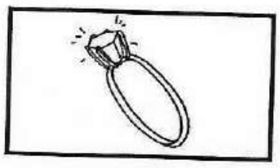

माला

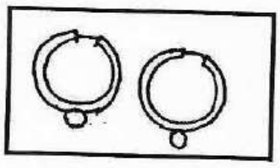

कड़ा

बिंदिया

बालियाँ

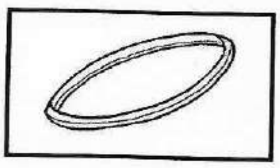

अँगूठी

II) **आपकी माँ कौन-कौन से गहने पहनती है, उनपर गोल कीजिए।**

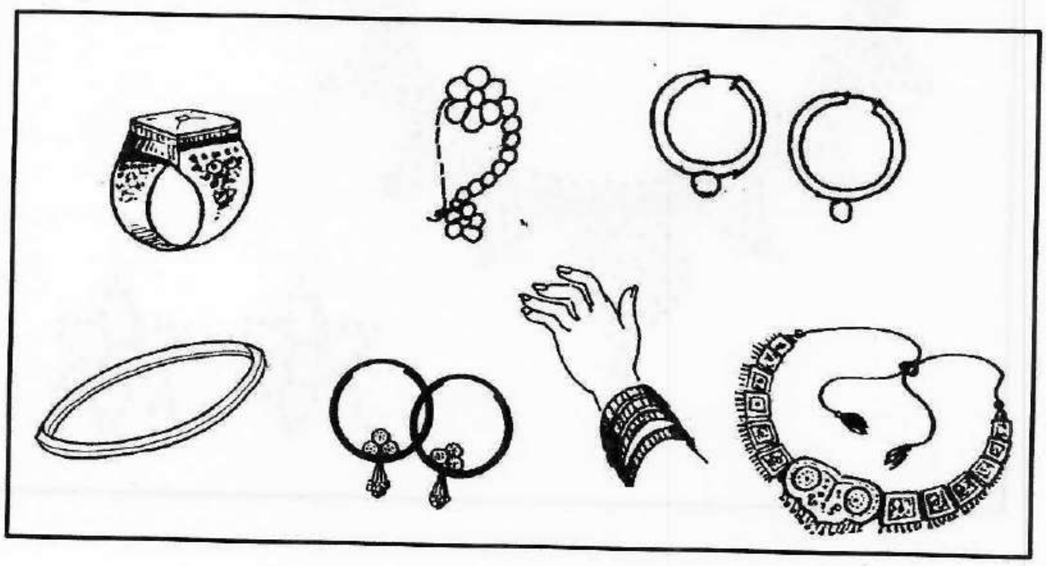

III) **उचित शब्द पर गोल कीजिए।**

1) माला <u>गले</u> में पहनते हैं।
हाथ

2) हाथ में <u>अंगूठी</u> पहनते हैं।
चूड़ी

3) <u>बाली</u> छम-छम बजती हैं।
पायल

4) नथनी <u>कान</u> में पहनते हैं।
नाक

IV) **चित्र पूरा कीजिए और उस चित्र का नाम लिखिए।**

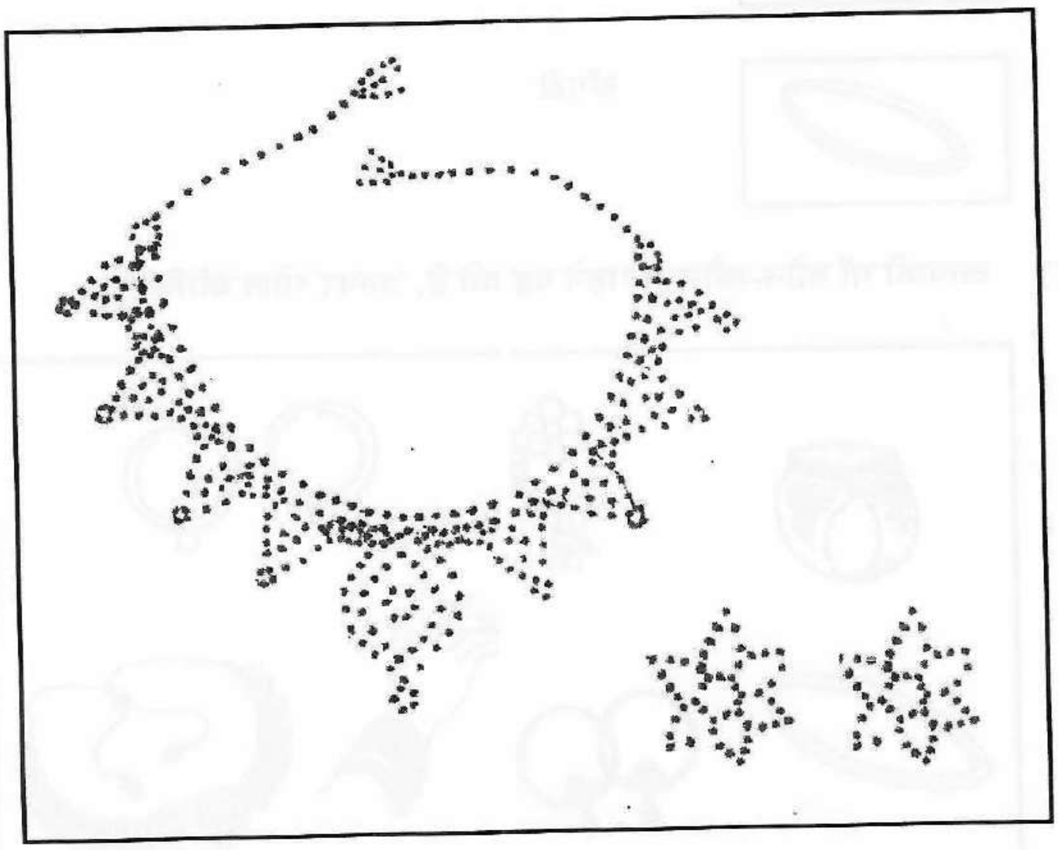

पाठ 7 : द्रव

तेल, घी, डीजल, पेट्रोल, मिट्टी का तेल, दूध, पानी, शरबत, औषधि, रस, दवाई, चाय, कॉफी, फिनाइल

प्रवाहशील (तरल) पदार्थ को द्रव कहते हैं। जैसेः पानी, तेल, डीजल, पेट्रोल। कुछ द्रव खाने-पीने के काम आते हैं। जैसे पानी, दवा, फलों का रस दूध तेल इत्यादि। और कुछ द्रवों का उपयोग ईंधन के लिए किया जाता है, जैसे मिट्टी का तेल, डीजल और पेट्रोल इत्यादि। डीजल, पेट्रोल जमीन के अंदर से मिलते हैं, इनको गाड़ी, हवाईजहाज, जहाज चलाने के लिए प्रयोग करते हैं। दूध, पानी, शरबत ये भी द्रव हैं।

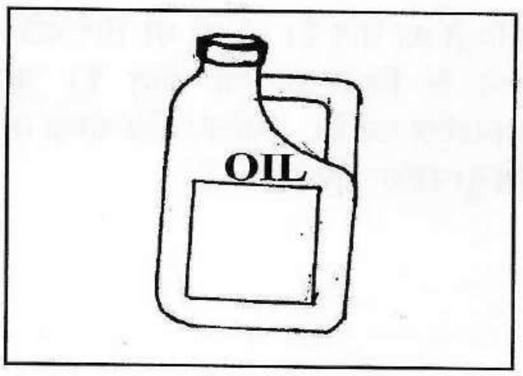

तेल

यह तेल है। मूँगफली, तिल एवं सरसों से तेल निकालते हैं। इन तेलों का उपयोग खाना पकाने के लिए होता है। इन तेलों में तले हुए पदार्थ जैसे पकोड़े, समोसे, पूरी बहुत स्वादिष्ट होते हैं। कुछ तेल बालों में भी लगातें है। जैसे नारियल का तेल, राई का तेल।

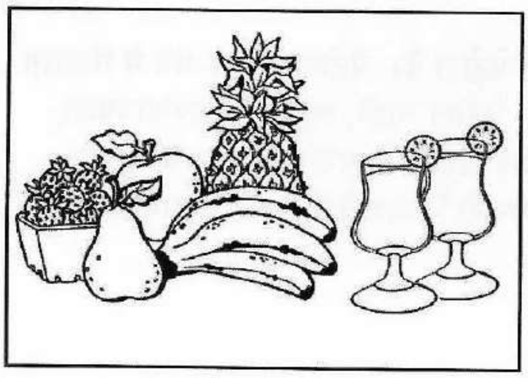

यह गन्ने का रस है। तरह -तरह के फलों का रस बनाते हैं। फलों का रस सेहत के लिए अच्छा होता है। फलों के रस से जाम भी बनाते हैं।

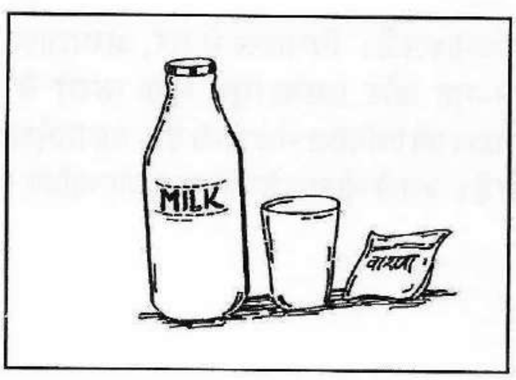

दूध

यह दूध है। दूध पौष्टिक आहार है। दूध से बनी आइसक्रीम, पेड़े, मिठाईयाँ स्वादिष्ट होती हैं। बच्चों को हर रोज एक गिलास दूध पीना चाहिए। चाय, काफी बनाने के लिए दूध का उपयोग करते हैं।

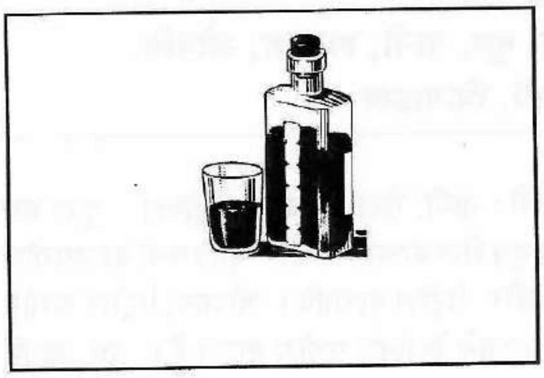

दवाई - औषधि।

इस बोतल में दवाई है। जुकाम, खाँसी, पेट का दर्द इनके लिए ज्यादा तर डाक्टर पीने के लिए दवाई देते हैं। दवाईयाँ मीठी, खट्टी और कड़वी भी होती है।

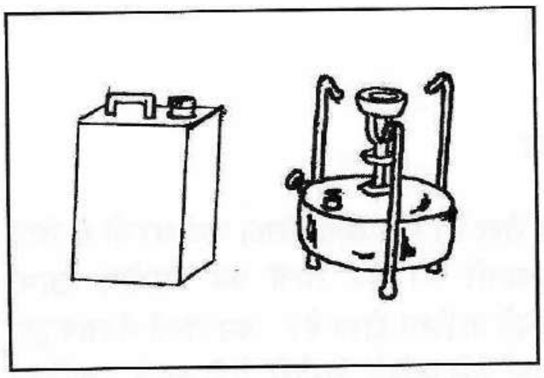

मिट्टी का तेल

यह मिट्टी का तेल है। मिट्टी का तेल स्टोव जलाने के लिए उपयोगी होता है। यह ज्वलनशील द्रव है। इसलिए छोटे बच्चों को इससे दूर रहना चाहिए।

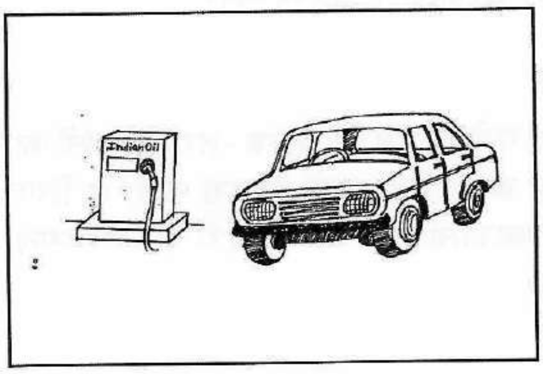

पेट्रोल

यह पेट्रोल है। पेट्रोल पेट्रोल-पंप में मिलता है। पेट्रोल गाड़ी, स्कूटर, मोटरसायकल, हवाई जहाज में भरते हैं। यह जमीन के अंदर से निकालते है। यह वाष्पशील द्रव्य है।

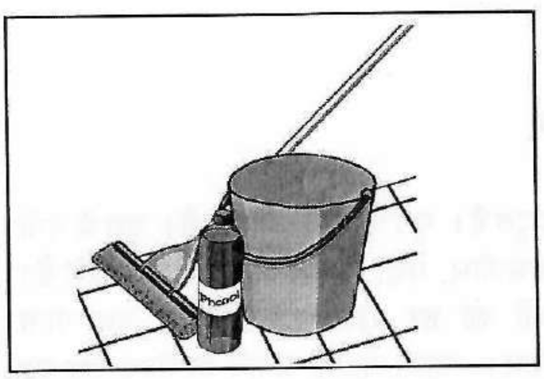

फिनाइल

यह फिनाइल है। फिनाइल से घर, अस्पताल, स्नान-गृह और प्रसाधनगृह साफ करते हैं। फिनाइल की विशिष्ट गंध होती है। यह विषैला होता है। इससे भी बच्चों को दूर रहना चाहिए।

I) शब्द से सही चित्र जोड़िए।

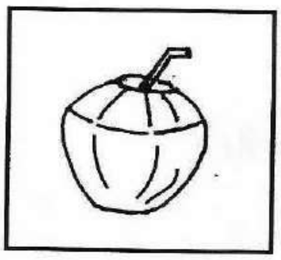

शरबत

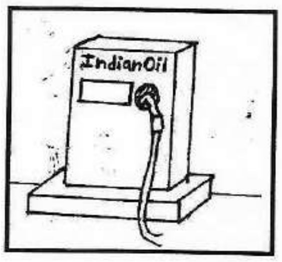

तेल

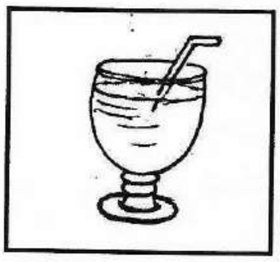

नारियल पानी

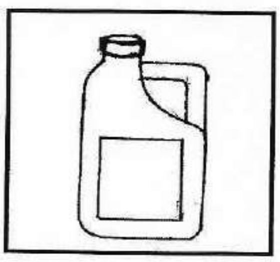

औषधि

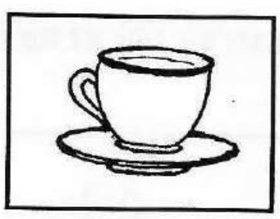

पेट्रोल

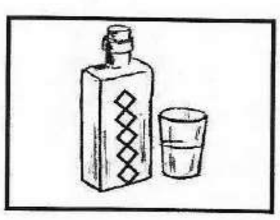

चाय

II) उचित शब्द पर गोल कीजिए।

1) आइसक्रीम पानी से बनाते हैं।
   दूध

2) गाड़ी चलाने के लिए तेल की जरुरत होती है।
   डीज़ल

3) माँ तेल से मुन्ने की मालिश करती है।
   पानी

4) राजू गरम रस पीता है।
   चाय

III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) कौन से द्रव पदार्थ हम पीते हैं?

2) कौन से द्रव ज्वलनशील होते हैं?

3) कौन से द्रव हम बालों में लगाते हैं?

4) कौन से द्रव विषैले होते हैं?

5) कौन से द्रव खाना पकाने के काम आते हैं?

V) चित्र पूरा करके और रंग भरिए। इससे आप कौन सा द्रव पीते हो वह लिखिए।

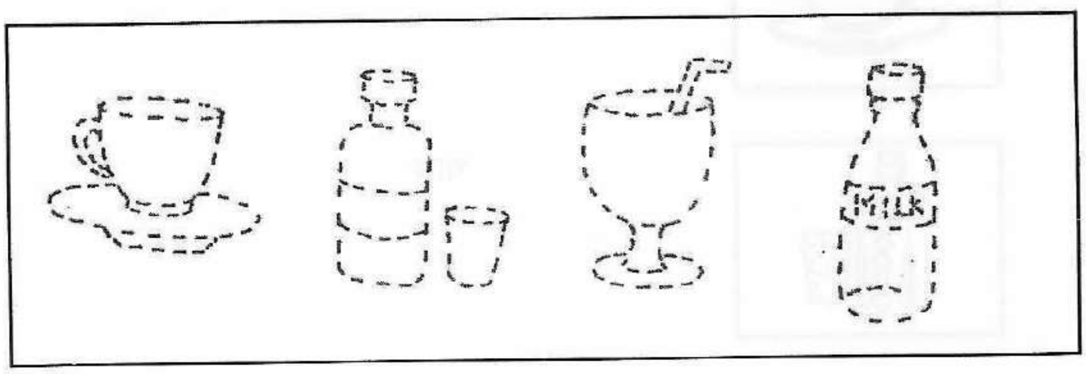

पाठ 8: धातु

सोना, चांदी, पीतल, ॲल्युमिनियम, तांबा, लोहा

धातु अनेक प्रकार के होते हैं। जैसे ॲल्युमिनियम, तांबा, पीतल, सोना, चांदी, लोखंड, स्टील आदि। हमारे घरों में लगभग सभी धातुओं की चीजें देखी जाती हैं। घर में बर्तन स्टील, तांबा, पीतल या ॲल्युमिनियम के होते हैं। बिजली के तार तांबा या ॲल्युमिनियम के होते हैं। गहने सोने, चांदी या प्लॅटिनम के बनते हैं। पलंग, कुर्सी, मेज और अलमारी ये सब लकड़ी, लोखंड, स्टील के बनते हैं। औजार ज्यादातर लोखंड के होते हैं।

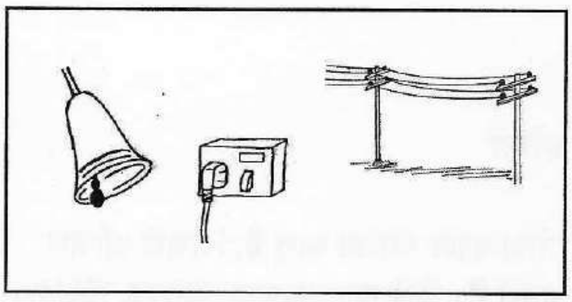

पीतल

पीतल धातु का रंग पीला होता है। पीतल से बर्तन, ताले, भगवान की मूर्तियाँ, घंटी इत्यादि बनते हैं।

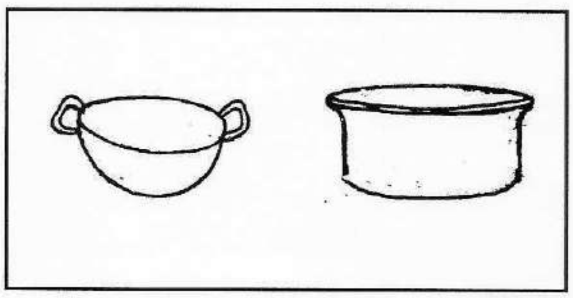

ॲल्युमिनियम

ॲल्युमिनियम धातु सफेद रंग का होता है। इनसे पतीले, कढ़ाई, ट्रेक, बिजली के तार, डिब्बे ऐसी वस्तुएँ बनती हैं।

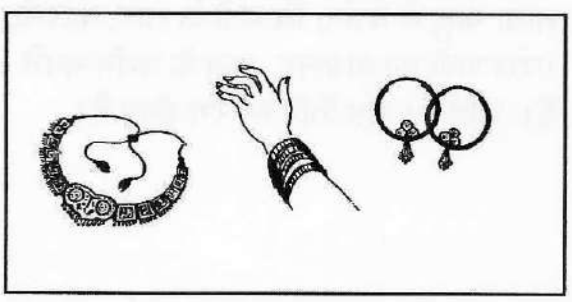

सोना

सोना सुनहरे रंग का धातु है। यह बहुत मँहगा होता है। सोने के ज्यादातर गहने बनाते हैं। हार, कंगन, चूड़ियाँ, मूर्ति आदि।

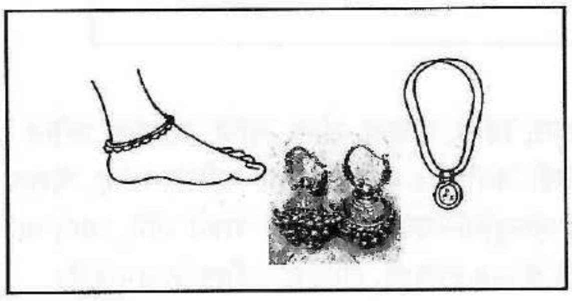

चांदी

चांदी का रंग सफेद या रूपहला होता है। इससे भी गहने, जैसे पायल, हार, मूर्ति, थाली, गिलास, कटोरी, चम्मच, पदक बनते हैं। पुराने जमाने में सिक्के भी चांदी के बनते थे।

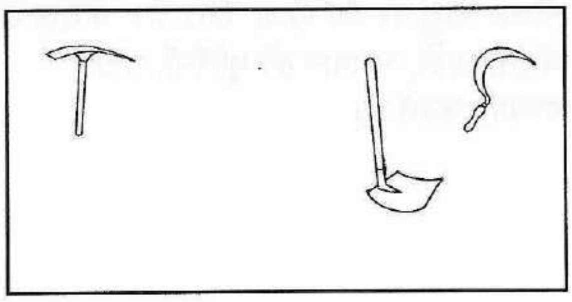

लोहा

लोहा काले रंग का धातु है, जिससे औजार बनते हैं। जैसे हल, फावड़ा, कुदाल, हँसिया। कुर्सियाँ, पलंग और अलमारी भी बनाते हैं। लोहे से ताला, कढ़ाई, तवा, आदि भी बनते

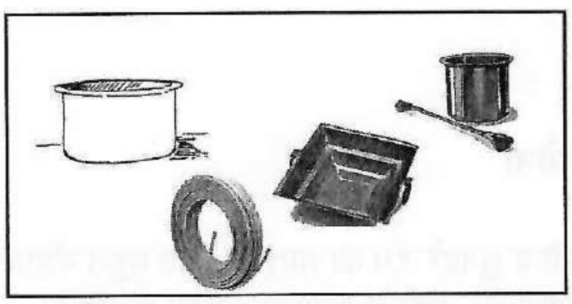

तांबा

तांबा धातु से बर्तन, बिजली के तार, कलसी, गरम पानी का बायलर, पूजा के बर्तन बनते हैं। तांबे का एक विशिष्ट रंग होता है।

I) शब्द से सही चित्र जोड़िए।

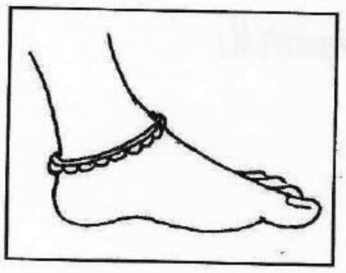

सोना

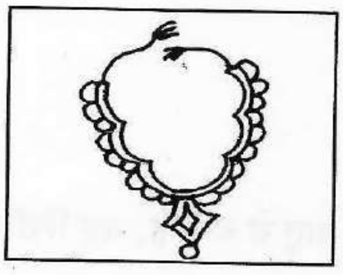

चांदी

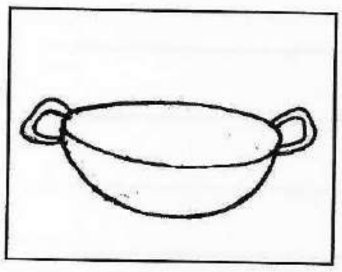

लोहा

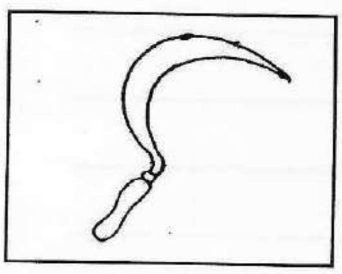

पीतल

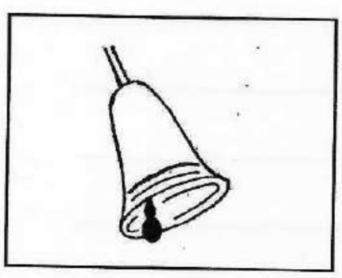

ॲल्युमिनियम

II) उचित शब्द पर गोल कीजिए।

1) माँ ने सोने / लोहे की चूडियाँ बनवायी है।

2) छोटे बच्चे को चाँदी / तांबा की कटोरी में खिलाते हैं।

3) लोहे की बर्तन / कुदाल वहाँ रखो।

4) चांदी का रंग पीला / रुपहला होता है।

III) तुम्हारे घर में निम्नलिखित वस्तुएँ किस धातु से बनी है, वह लिखिए।

1) भगवान की मूर्ति - ______________

2) घंटी - ______________

3) पतीला - ______________

4) कलश - ______________

5) तवा - ______________

6) हार - ______________

7) ताला - ______________

8) पायल - ______________

9) अलमारी - ______________

10) हथौड़ी - ______________

11) दरवाजे की कुंडी - ______________

12) झुमके - ______________

13) कान की बालियाँ - ______________

15) कढ़ाई - ______________

IV) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) बर्तन किन धातुओं से बनते हैं?

____

2) अलमारी, पलंग यह किस धातु से बनते हैं?

____

3) प्रतियोगिता में कौन-कौन से धातुओं से बने पदक मिलते हैं?

____

4) ॲल्युमिनियम धातु से बनी 3 चीजों के नाम लिखिए।

____

5) सोने से क्या-क्या बनता हैं?

____

6) लोहे के बने 3 वस्तुओं के नाम लिखिए।

____

7) क्या तुमने कभी किसी धातु की खदान देखी हैं ?

____

8) क्या तुम्हारे दादी के पास पुराने जमाने के सिक्के हैं? वे किस धातु से बने हैं?

____

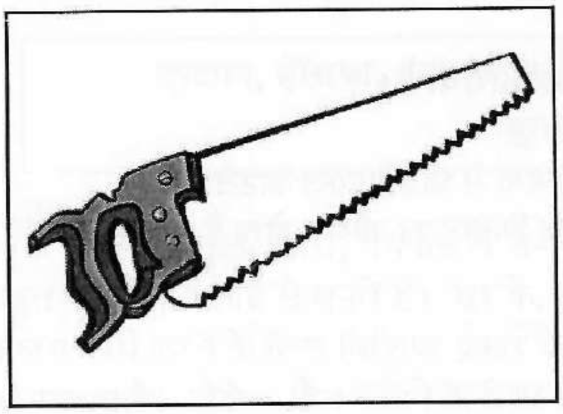

यह आरी है।

आरी से लकड़ियाँ काटते हैं।
यह सुतार का औजार है।

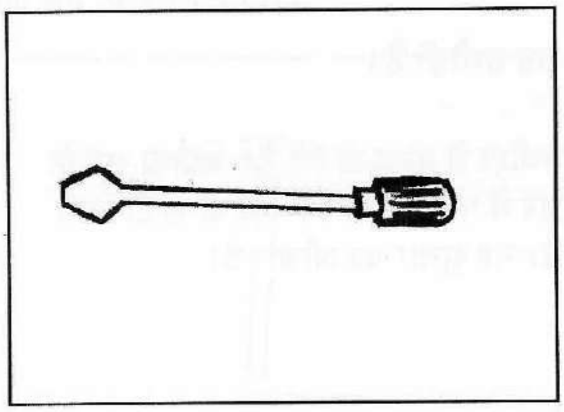

यह पेंचकस है।

पेंचकस से पेंच को कसते हैं। यह सुतार, मेकॅनिक और इलेक्ट्रिशियन का औजार है।

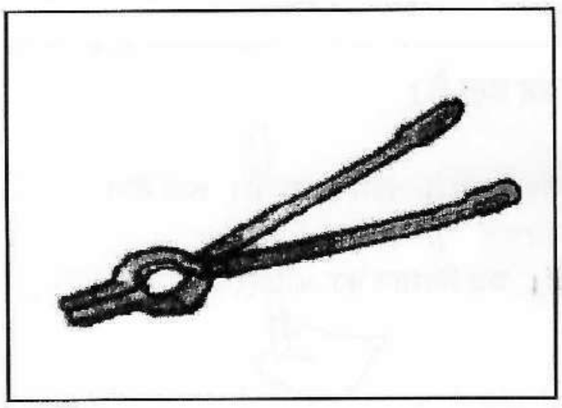

यह पकड़ है।

माँ इससे गरम बर्तन उठाती है। यह पीतल, स्टील और लोहे का होता है। हर घर में यह पाया जाता है।

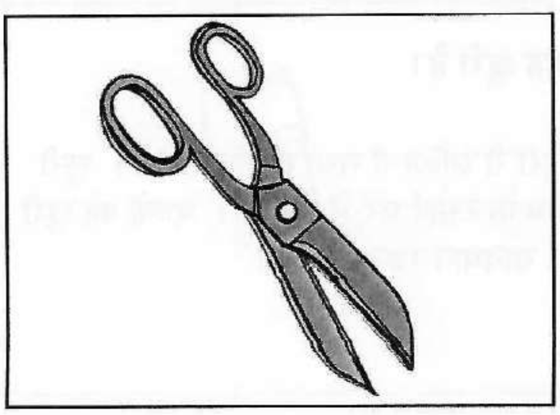

यह कैंची है।

कैंची से हम कागज़ और कपड़े काटते हैं। कैंची दर्जी का औजार है। यह हर घर में पाया जाता है।

I) शब्द से सही चित्र जोड़िए।

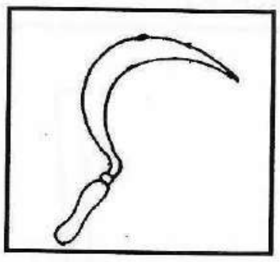

फावड़ा

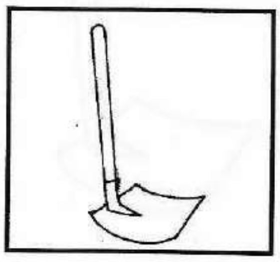

हथौड़ी

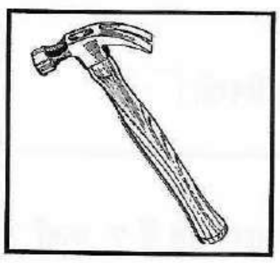

कुदाल

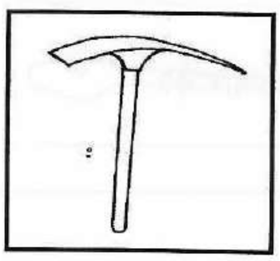

पेंचकस

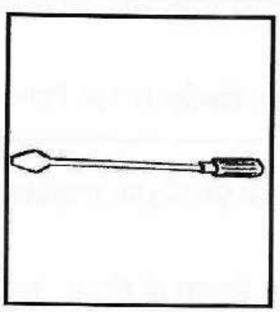

हँसिया

पुनरावलोकन

I) शब्द से सही चित्र जोड़िए।

(त्योहार, गहने, द्रव्य, रिश्ते, धातु, औजार)

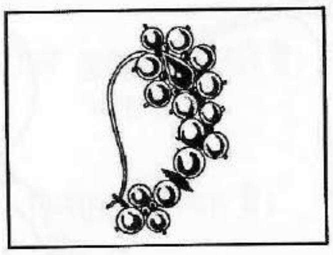

अँगूठी

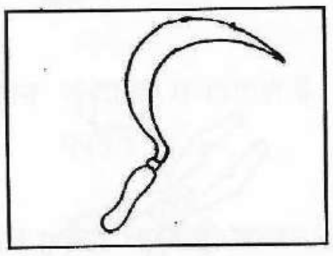

दूध

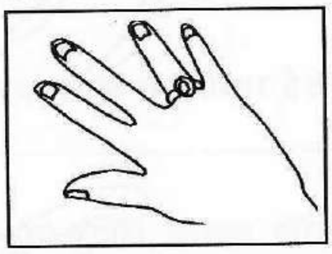

क्रिसमस

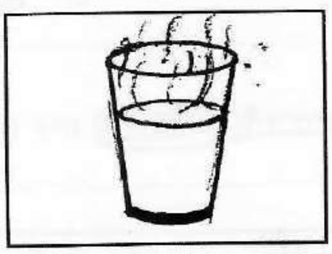

हँसिया

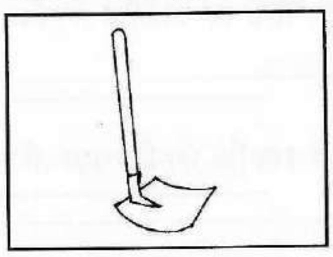

नथ

फावड़ा

II) चित्र देखकर नाम लिखिए।

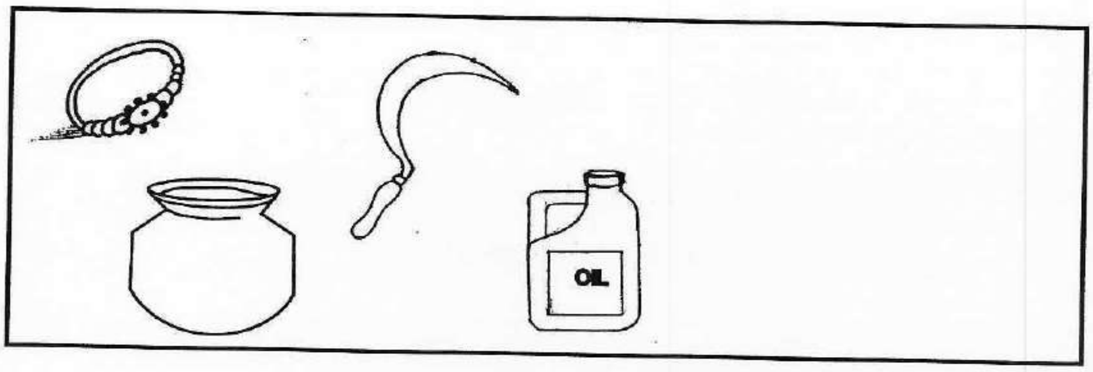

III) निम्नलिखित शब्दों का तालिका के अनुसार वर्गीकरण कीजिए।

नवरात्र, कुदाल, माला, मौसा, ईद, तेल, डीजल, चाँदी, पकड़, फूफा, दीपावली, लोहा, मामी, हाथ का कड़ा, क्रिसमस, फावड़ा, चूड़ियाँ, शरबत, सोना, रॉकेल, दादा

रिश्ते	त्योहार	गहने	द्रव	धातु	औज़ार
	नवरात्र				

IV) रिश्ते बताइए।

जैसे : मामा - माँ का भाई

1) दादी - ------------------

2) मौसा - ------------------

3) फूफी - ------------------

4) चाचा - ------------------

5) नाना - ------------------

6) मामी - ------------------

आओ हिंदी सीखे

* रोचकता से हिंदी भाषा सिखाने के लिए आओ हिंदी सीखे पुस्तक मालिका 3 स्तरों पर उचित क्रम से (जैसे- सरलतम से कठिनतम) की गयी है।

* ये किताबें आकर्षक चित्रों से, मनोरंजक कहानियों से तथा पात्रों से परिपूर्ण हैं, जिससे बच्चा आसानी से एवम् सरलता से हिंदी भाषा सीख पाएगा।

* इसमें दी हुई गतिविधियाँ बच्चों को पढ़ाई हुई संकल्पना स्थिर और दृढ़ करने में प्रयत्न करती हैं।

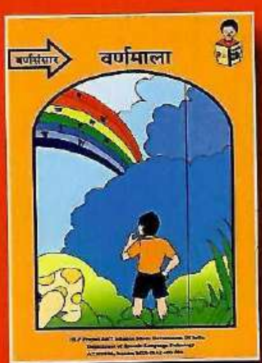

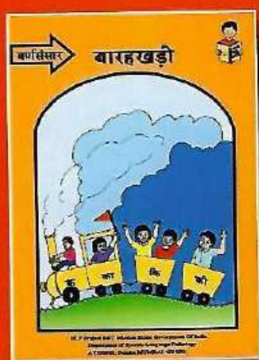

वर्ण संसार
- वर्णमाला
- बारहखड़ी
- संयुक्ताक्षर

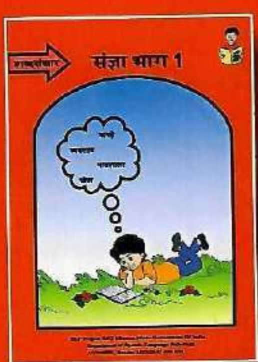

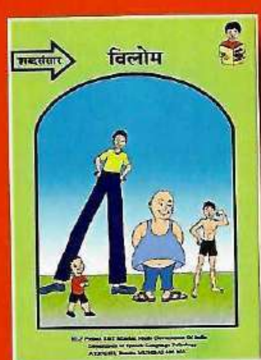

शब्द संसार
भाग -1
- संज्ञा भाग -1
- संज्ञा भाग -2
- संज्ञा भाग -3
- संज्ञा भाग -4
- विलोम

शब्द संसार
भाग -2
- शब्द एक अर्थ अनेक
- अर्थ एक शब्द अनेक
- विशेषण
- अनुप्रासक शब्द
- ऊनार्थक

भाग -3
- क्रिया
- क्रिया काल रूप
- प्रेरणार्थक क्रिया
- शब्द रूप परिवर्तन
- सर्वनाम

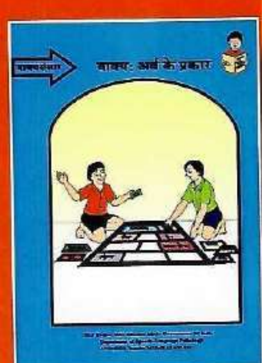

वाक्य संसार
- वाक्य-1 वाक्य के अवयव
- वाक्य-2 रचना के प्रकार
- वाक्य-3 अर्थ के प्रकार
- वाक्य-4 वाच्य के प्रकार
- वाचन और लेखन कौशल्य

* भाषिक वातावरण का निर्माण करके बच्चों में पढ़ने की इच्छा बढ़ाती है।